घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 09- रविवार 09- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

आखिरी सभा,शपथ ग्रहण में आऊंगा : पीएम मोदी

राहुल गांधी पर तंज,कुछ लोग बिहार चुनाव में डूबने की प्रैक्टिस कर रहे...

बेतिया,08 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेतिया की सभा में कहा, बेतिया में मेरे बिहार के चुनाव अभियान की समापन रैली है। इस चुनाव में मेरी आखिरी सभा है। 11 नंवबर को हमें सिर्फ सीटें नहीं जीतनी है, हर बूथ जीतना है। मैं जीत के विश्वास के साथ जा रहा हूं। अब एनडीए के शपथ ग्रहण में आऊंगा। चंपारण की इस धरती का इतिहास में बड़ा महत्व है। यही वो धरती है, जहां गांधी जी को महात्मा की उपाधि मिली थी। आज जब हम विकसित बिहार का संकल्प लेकर चले हैं, तो इस धरती का सहयोग अहम है।

बिहार को जंगलराज से बचाना आपकी जिम्मेदारी है...

जगंलराज वालों ने सत्याग्रह की इस भूमि को लठैतों का गढ़ बना दिया था। महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल था। जहां कानून का राज खत्म होता है, वहां सबसे ज्यादा परेशान गरीबों, पिछड़ों को होती है। कानून राज खत्म होगा तो रंगदारी शुरू होगी। आपने नीतीश कुमार का सुशासन देखा है, इसे जंगलराज से बचाए रखना आपकी जिम्मेदारी है। जंगलराज को हराने का मतलब सिर्फ कांग्रेस-राजद को हराना नहीं है। इस मानसिकता को भी हराना होगा। जंगलराज का परिवार बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है, दिल्ली का नामदार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। इन लोगों ने लाखों करोड़ का घोटाला किया है। दोनों जमानत पर चल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि, विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली आरजेडी और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां आरजेडी और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते। आजकल मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की बहुत चर्चा है। उनके खातों में हमने 10-10 हजार डाले।

मोदी ने जो गारंटी दी वो पूरी की

मोदी ने कहा था राम मंदिर बनेगा। आप बताइएगा मंदिर बना कि नहीं बना। मंदिर बना। देश को वादा किया था आर्टिकल 370 की दीवार गिरेगी। आप बताइए 370 हटा कि नहीं हटा। मोदी ने बिहार की इसी धरती से पहलगाम हमले की बात कही थी। ऑपरेशन सिंदूर में तबाह होते पाकिस्तान को भी आपने देखा है। मैंने बिहार की धरती से जो कहा वो किया है। मोदी ने वन रैंक वन पेंशन लागू करने की बात कही। आज ही इसे लागू हुए 11 साल हो गए हैं।

राहुल गांधी पर तंज

पीएम ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा... साथियों बिहार आज मछली दूसरे राज्यों को भेज रहा है। बड़े-बड़े लोग भी बिहार की मछलियां देखने आ रहे हैं। तालाब में डुबकियां लगा रहे हैं। बिहार के चुनाव में डूबने कोशिश कर रहे हैं।

राजद-कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सीतामढ़ी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन और विशेष कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तंज कसा। उन्होंने राजद पर अपराध और कांग्रेस पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)उम्मीदवारों के लिए समर्थन भी मांगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के सीतामढ़ी में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। राजद-कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बिहार का भविष्य तय करेगा। इसलिए ये चुनाव बहुत अहम है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि जंगलराज वालों के प्रचार के गाने सुने हैं आपने? छोटे बच्चे मंच से कह रहे हैं, हमें रंगदार बनना है। क्या बिहार के बच्चों को रंगदार बनना चाहिए या डॉक्टर-इंजीनियर बनना चाहिए ? बिहार में स्टार्टअप के सपने देखने वाले चाहिए, हैंड्सअप कहने वाले नहीं चाहिए। राजद वालों के प्रचार गाने सुनकर आप कांप जाएंगे। हम बच्चों के हाथों में लैप टॉप दे रहे हैं। राजद वाले कट्टा-दुनाली दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जहां राजद और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां भ्रष्टाचार हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, माँ सीता की भूमि पर आया हूं, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे 6 साल पहले का वाकया याद आता है। 8 नवंबर 2019 को मैं यहां आया था। अगले दिन करतारपुर कॉरिडोर के लिए पंजाब के लिए निकलना था। उसी दिन राम मंदिर पर फैसला भी आना था। मैं मन ही मन में सीता माता से प्रार्थना कर रहा था कि फैसला राम मंदिर के पक्ष में आए। सीता मइया की धरती से मांगी प्रार्थना कभी खाली नहीं जाती। ऐसा ही हुआ उच्चतम न्यायालय ने राम लला के पक्ष में ही फैसला दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजकल मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की बहुत चर्चा है। उनके खातों में हमने 10-10 हजार डाले।

राम का विरोध और आस्था का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना है : योगी आदित्यनाथ

पटना/पूर्वी चंपारण,08 नवम्बर 2025। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्वी चंपारण जिले के पिपरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार श्यामबाबू प्रसाद यादव के पक्ष में जनसभा कर लोगों से कमल खिलाने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और माले समेत महागठबंधन के तमाम घटक दलों को आड़े हाथों भी लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। जो राम का विरोध और आस्था का अपमान करते हैं, उन्हें कतई वोट नहीं देना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राम को नकारती थी,राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी।

जब रामभक्त कहते थे कि रामलला हम आएंगे,मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस,राजद व सपा सरकारें रामभक्तों पर गोली-लाठी चलाती थीं, तब भी रामभक्त कहता था कि लाठी गोली खाएंगे,मंदिर वहीं बनाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में राजग सरकार बनी,तो अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो गया। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट, निषादराज रैनबसेरा और माँ शबरी के नाम पर रसोई बनी है। सीतामढ़ी में भी माँ जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने मतदाताओं से अपील की कि जो राम का विरोध और आस्था का अपमान करते हैं, उन्हें वोट देकर जाया नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले चरण के चुनाव के बाद हताश और निराश महागठबंधन के लोगों का वक्तव्य दिख रहा है। यह बताता है कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेगी, तो जनता का फैसला बिहार में फिर एक बार एनडीए सरकार होगा । बिहार के लिए राजग सरकार आवश्यक है। विपक्षी दलों पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों ने देश के सामने सुरक्षा व बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा किया।

राहुल ने सीनियर लीडर्स के साथ की मीटिंग

जिला अध्यक्षों को दिया मिशन 2028 का लक्ष्य

पचमढ़ी,08 नवम्बर 2025। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में प्रदेश के सीनियर लीडर्स की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन के नीचे लेवल तक मजबूत करने की नसीहत दी। उन्होंने किसानों और आम जनता से समस्याएं उठाने और पार्टी संगठन के साथ मिलकर काम करने की बात सीनियर नेताओं से कही।राहुल गांधी के साथ मीटिंग में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और अशोक सिंह मौजूद रहे। राहुल गांधी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भी शामिल हुए। जहां उन्होंने जिला अध्यक्षों से संवाद किया। साथ ही पार्टी संगठन को मजबूत करने और मिशन 2028 के तहत सरकार बनाने का लक्ष्य देकर जुट जाने को कहा है। राहुल गांधी कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के परिजन के साथ डिनर भी किया। इस दौरान उनके बात भी की। इससे पहले राहुल गांधी शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे पचमढ़ी पहुंचे। वे हेलीपैड से सीधे होटल हाईलैंड के लिए रवाना हो गए। राहुल गांधी शनिवार और रविवार को करीब 19 घंटे पचमढ़ी में रहेंगे। नाइट स्टे पहाड़ी पर बने रविशंकर भवन (मुख्यमंत्री आवास) में होगा। राहुल गांधी रविवार सुबह 10.20 बजे हेलिकॉप्टर से भोपाल के लिए रवाना होंगे। इसके बाद दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पचमढ़ी आ सकते हैं। खड़गे के नाम से भी रविशंकर भवन में कमरा बुक किया गया है।

रद्दी पर मिड-डे मील खाने वाला वीडियो पोस्ट किया : राहुल गांधी ने दिल्ली से रवाना होने पहले अपने एक्स अकाउंट पर श्योपुर के विजयपुर में बच्चों के रद्दी पर मिड-डे मील खाने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा-ये वही मासूम बच्चे हैं जिनके सपनों पर देश का भविष्य टिका है, और उन्हें इज्जत की थाली तक नसीब नहीं। राहुल गांधी ने आगे लिखा- 20 साल से ज्यादा की बीजेपी सरकार...और बच्चों की थाली तक चुरा ली गई। इनका विकास बस छलावा है। सरकार में आने का असली राज तो व्यवस्था है। शर्म आनी चाहिए ऐसे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को जो देश के बच्चों, भारत के भविष्य का इस दुर्दशा से पालन-पोषण कर रहे हैं।

बिहार में सीएम यादव बोले... घोड़ी तैयार,दूल्हा भागा...

बिहार में चुनावी सभा करने गए सीएम डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी के पचमढ़ी दौरे को लेकर मंच से ही तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यहां बिहार में चुनाव हो रहे हैं और राहुल गांधी हमारे मध्यप्रदेश में छुट्टी मनाने पचमढ़ी चले गए है। सीएम ने कहा कि इधर, घोड़ी तैयार, बाराती भी तैयार, लेकिन दूल्हा भाग गया। उस दूल्हे का नाम है राहुल गांधी।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकवादी ढेर...

श्रीनगर,08 नवम्बर 2025। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों

के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे ऑपरेशन पिंपल नाम दिया है। मारे गए आतंकियों की पहचान या उनके संगठन की जानकारी अभी नहीं मिली है। इससे पहले 5 नवंबर को किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में मुठभेड़ हुई थी। आतंकियों की फायरिंग से एक जवान घायल हो गया था। कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा। हालांकि,अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान अगर कुछ भी अवैध बरामद होता है,तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,अधिकारियों ने इसे नियमित जांच का हिस्सा बताया और कहा कि इंटरनल सिक्योरिटी को मजबूत करने और जेल सुविधाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। ताकि जेलों के अंदर कोई गैरकानूनी गतिविधि न हो। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 13 अक्टूबर को सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। यह ऑपरेशन भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास कुंबकडी के जंगल में चला था।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर तक : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली,08 नवंबर 2025। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। किरेन रिजिजू ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि, संसद का

शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक (संसदीय कार्यों की अनिवार्यताओं के अधीन) आयोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। हम एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की आशा करते हैं जो हमारे लोकतंत्र को मज़बूत करे और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करे।

पहले चरण के मतदान में ही मतदाताओं ने सरकार गठन का नीव डालने का काम किया : अमित शाह

कटिहार,08 नवम्बर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कटिहार के कोढ़ा विधानसभा से एनडीए से भाजपा प्रत्याशी कविता पासवान के समर्थन में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में पहले चरण के मतदान में ही लोगों ने बिहार में एनडीए सरकार गठन का नीव डालने का काम किया। गृहमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण के मतदान के बाद जंगलराज वाले दूर-दूर तक दूरबीन से खोजने पर भी नजर नही आएंगे। सीमांचल सहित बिहार के अन्य क्षेत्र में हो रहे बंगालदेशी घुसपैठिये को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने लालू यादव, राहुल गाँधी पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन वाले घुसपैठिये को बचाने में लगे हुए हैं। बिहार में डिफेंस कॉरिडोर के एनडीए के वादे को दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मोदी

जी राम मंदिर बनवाने का काम करते हैं, सीता माता मंदिर बनवाने का काम करते हैं, आतंकियों के घर में घुसकर मारने का काम करते हैं और कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने का काम करते हैं। अब मोदी जी ने तय किया है कि बिहार में डिफेंस कॉरिडोर बनाएंगे। उन्होंने एनडीए सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने सीमांचल और कटिहार के लिए ढेर सारे काम किए हैं। पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को विस्तारित करके कटिहार तक लाने वाले हैं। नारायणपुर से पूर्णिया तक 49 किमी लंबी सड़कें बनेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि दो हजार करोड़ से मनिहारी और साहेबगंज को जोड़ने वाला गंगा का पुल बन रहा है। इस तरह विकास के ढेर सारे काम यहां हो रहे हैं। डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना से न केवल बिहार के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, बल्कि राज्य की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।

लोको निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए : रेल मंत्री

वाराणसी,08 नवम्बर 2025। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) का निरीक्षण किया। वैष्णव ने अधिकारियों को लोको निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की हिदायत दी। रेलमंत्री ने कारखाना के लोको फ्रेम शॉप, लोको असेम्बली शॉप और लोको टेस्ट शॉप में कार्य प्रणाली देखी। और निर्माण प्रक्रिया से जुड़ी तकनीकी जानकारियां अफसरों और कर्मचारियों से संवाद के दौरान ली। उन्होंने लोको उत्पादन, स्वच्छता और तकनीकी नवाचार की सराहना की और महिला कर्मचारियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने बीच रेलमंत्री को पाकर अफसर और

कर्मचारी भी उत्साहित दिखे। रेलमंत्री ने कर्मचारियों से लोको निर्माण की बारीकियों पर चर्चा की । कर्मशाला में उपस्थित कर्मचारियों से लोको निर्माण की गुणवत्ता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए। कर्मचारियों से मिले उपयोगी सुझावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि लोको निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बरेका की पहचान उच्च गुणवत्ता और नवाचार से बनी रहनी चाहिए।

महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार पर होना चाहिए ध्यान : प्रियंका गांधी

पूर्णिया,08 नवंबर 2025। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्णिया के झील टोला, जनता चौक में शनिवार को आयोजित महागठबंधन की चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार की स्थिति चिंताजनक है, जिस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाएं हैं, और जब वे परिवर्तन का मन बना लेती हैं, तो नतीजा तय होता है। उन्होंने बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों को भी उठाया और कहा कि इन समस्याओं का समाधान ही राज्य के विकास की कुंजी है। सभा में

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस नेत्री अलका लांबा, पूर्णिया के सांसद राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार जितेंद्र कुमार यादव ने भी सभा में भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

कैंटर में घुसी कार चार युवकों की मौत

शामली,08 नवंबर 2025। उत्तर प्रदेश के जनपद शामली में पानीपत-खटीमा हाईवे पर बुटराडा फ्लाईओवर के पास कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, इनमें एक युवक की रविवार को शादी है। बाबरी थाना पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एएसपी संतोष कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान परमजीत, साहिल, विवेक और आशीष के रूप में हुई है। परिजनों से पता चला है कि परमजीत की नौ नवंबर को शादी है, जिसकी तैयारियां चल रही थी। चारों ने शादी से पहले गंगा स्नान का प्लान बनाया। साहिल अपने दादा अर्जुन सिंह की कार लेकर चारों शुक्रवार शाम को ही हरिद्वार के लिए निकले थे। देर रात को बेकाबू होकर कार सड़क किनारे खड़े कैंटर में जा घुसी।

देश के प्रति जिम्मेदारी के भाव को सशक्त बनाना ही संघ का उद्देश्य : मोहन भागवत

बेंगलुरु,08 नवंबर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि मुस्लिम और क्रिश्चियन को जानबूझकर यह विश्वास दिलाया गया है कि वह हिंदुओं से अलग हैं, जबकि पूर्वज सभी के समान हैं और परंपरागत चिंतन भी एक जैसा है। उन्हें कई मुस्लिम और क्रिश्चियन मिले हैं जो अपना गोत्र भी बताते हैं। डॉ. भागवत संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत यहां आयोजित दो दिवसीय व्याख्यानमाला को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन यहां के बनशंकरी स्थित होसाकेरेहल्ली रिंग रोड पर पीईएस विश्वविद्यालय में किया गया है। पहले दिन विभिन्न राज्यों के लगभग 1,200 प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम

की शुरुआत वंदे मातरम् से हुई। सरसंघ चालक डॉ. भागवत ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और हिंदू होने का अर्थ है देश के प्रति जिम्मेदार होना। उन्होंने कहा कि विविधता का सम्मान करते हुए एकता बनाए रखना भारत की खूबसूरती है। विविधता हमारी सजावट है। उन्होंने कहा कि बीइंग हिंदू, आय रिस्पॉन्सिबल फॉर भारत। भारत एक हिंदू राष्ट्र है और संघ का कार्य इसी भावना को सशक्त करना है। संघ आज बड़ा हुआ है, पर हम संतुष्ट नहीं हैं। हमारा उद्देश्य पूरे समाज को एक सूत्र में बांधना है। डॉ. भागवत ने कहा कि इतने वर्षों में संघ के विरोध में बहुत कुछ कहा गया, परंतु विरोध केवल मुख से रहा, दिलों में नहीं। हम जब समाज में घूमे तो कोई विरोधी नहीं मिला। हम सेवा के लिए आए हैं और अब समाज इस पर विश्वास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विरोधी भी हमारे लिए उपयोगी हैं, जैसे निंदक नियरे राखिए। संघ के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्था अद्वितीय है, जिसकी तुलना किसी अन्य संगठन से नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि संघ किसी प्रतिक्रिया से नहीं जन्मा।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ,जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया।'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी।

विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, मानवजनित पीएम-2.5 प्रदूषण भारत में 2022 के दौरान 17 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था। इसमें कोयला और तरल गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से होने वाले उत्सर्जन का 44 फीसदी योगदान था। इसके साथ ही सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से पैदा प्रदूषण से करीब 2.69 लाख मौतें हुईं। रिपोर्ट में दर्शाई गई सबसे बड़ी चिंता श्रम के घंटों के नुकसान और कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी नुकसान का होना है। यह संकट जहां बड़े विस्थापन को जन्म दे सकता है, वहीं हमारी खाद्य श्रृंखला संकटग्रस्त हो सकती है, जिसके लिए देश में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसलों की किस्मों की खोज जरूरी हो जाती है। यदि हम ऐसा कर पाते हैं तो फसलों पर जलवायु परिवर्तन प्रभावों को कम किया जा सकता है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने यह मुश्किल सबसे बड़ी है। वहीं भारत सरकार और किसानों के सामने यह वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती है। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा सीएमएस-03

'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है,जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया।

योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4,410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है।

एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है।

इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रेंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना,आपदा प्रबंधन,नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी। भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा,यह देश के ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निर्माता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में,'यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।'एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है। भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विस्तार है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047'के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है,उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं। सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है।

एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का स्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी। देश के सुदूरवर्ती द्वीपों,सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी। यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज जब विश्व अंतरिक्ष की नई प्रतिस्पर्धा में प्रवेश कर चुका है, जहां अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ में हैं, भारत ने शांत, दृढ़ और सटीक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। चंद्रयान-3 के बाद 'बाहुबली' की यह सफलता भारत की उसी निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जिसने विज्ञान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा है। कुल मिलाकर, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल खोज का नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुका है। सीएमएस-03 केवल एक उपग्रह नहीं बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, आत्मविश्वास और दूरदृष्टि का प्रतीक है। यह उस युग का उद्घोष है, जिसमें भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसरो के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की प्रतिभा, अनुशासन और धैर्य का कोई विकल्प नहीं। 'बाहुबली' की यह उड़ान आने वाले दशकों तक भारतीय विज्ञान की उपलब्धियों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। यह केवल एक प्रक्षेपण नहीं बल्कि भारत की उस उड़ान का प्रतीक है, जो अपनी शक्ति, अपनी तकनीक और अपने संकल्प के बल पर सीमाओं से परे अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। निश्चय ही 'बाहुबली' की यह उड़ान भारत की अंतरिक्ष यात्रा के स्वर्ण युग की शुरुआत है, जहां सीमाएं नहीं, केवल ऊंचाईयां हैं।

साबित कीजिए कि आप जिंदा हैं...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

हर साल नवंबर आते ही ठंड से ज्यादा ठिठुरन सरकारी आदेशों से लगती है। पेंशनर घरों से बाहर निकलते हैं, क्योंकि साबित करना होता कि वे जिंदा हैं! बैंक कह रहा होता है कि, अगर आप वास्तव में मर नहीं गए हैं, तो फिंगरप्रिंट देकर दिखाइए। आदमी को मरने के बाद शांति मिलती है या नहीं, पता नहीं, पर पेंशन लेना हो तो जिंदा होने का प्रमाण देना पड़ता है। बैंक के दरवाजे पर लंबी लाइनें हैं। एक ओर बुजुर्ग अपने झुके हुए शरीर को सीधा करने की कोशिश में हैं,तो दूसरी ओर मशीनें हैं जो कह रही हैं,फिंगरप्रिंट मैच नहीं हुआ। मशीन को क्या पता,इन हाथों ने कभी देश बनाया था ! अब वही हाथ तकनीक के आगे बार बार जिंदा होते हुए भी,जीवन प्रमाण पत्र के लिए अपात्र घोषित हो जाते हैं। सामने बैठा युवा क्लर्क कहता है–सर,मशीन आपको पहचान नहीं रही। बुजुर्ग मुस्कराकर कहते हैं ,बेटा,मशीन तो क्या,अब तो अपने बच्चे भी नहीं पहचानते। नियम तो नियम है। सरकारी तंत्र में संवेदना की जगह 'सॉफ्टवेयर' है। फाइलें तो खैर अब डिजिटल हो गई हैं,पर सोच अब भी वही पाषाणयुगीन है। बैंक वाला, अधिकारी, कंप्यूटर सब एक स्वर में कहते हैं जीवन प्रमाण पत्र दो, तभी पेंशन जारी रह सकेगी। जीवन प्रमाण न हुआ वार्षिक टेंडर हो गया,जो हर साल रिन्यू होता है। पर सोचिए, क्या वाकई केवल पेंशनर ही जिंदा होने का प्रमाण दे रहे हैं? पूरा देश तो रोज साबित कर रहा है कि वह अब भी किसी न किसी तरह सांस ले रहा है। नौकरी वाला रोज बॉस के सामने रिपोर्ट देकर सिद्ध करता है कि वह 'कार्यशील' है। गृहिणी पूरे परिवार के लिए रसोई में खड़े होकर हर सुबह यह प्रमाण देती है कि वह 'कर्तव्यनिष्ठ' है। छात्र हर परीक्षा में यह साबित करता है कि वह 'भविष्य ' है। और सोशल मीडिया पर सक्रिय जन रोजाना एक नई फोटो डालकर लगातार यह सिद्ध करते रहते हैं कि वे 'जीवित' हैं। यानी अब जीवन की सबसे बड़ी कसौटी यही है,प्रूफ ऑफ एक्जिस्टेंस! वो जमाना गया जब आदमी अपनी आत्मा की आवाज पर जीता था। अब तो जीना भी पासवर्ड से लॉगिन होकर ही शुरू होता है। जो ऑनलाइन है, वही जिंदा है। जिसने दो दिन तक मैसेज का जवाब नहीं दिया, उसके लिए लोग शोकसभा जैसा भाव प्रकट करने लगते हैं भाई,कहाँ गायब हो? अब आदमी शरीर से नहीं,नेटवर्क से जिंदा माना जाता है।

शहरों में जिंदा रहना भी एक कला बन गया है। कोई ईएमआई भरते-भरते आधा मर चुका है, कोई प्रमोशन की दौड़ में बाकी आधा। कोई रिश्तों को 'म्यूट' पर रखे हुए है,कोई भावनाओं को 'आर्काइव' कर चुका है। चेहरे मुस्कुराते हैं,दिल सोता है। और फिर हम सब कहते हैं हाँ,हम जिंदा हैं। पर असली सवाल यह है कि जिंदा कौन है? वह जो सरकारी फाइल में मौजूद है या वह जो अपने भीतर की आग को अब भी जलाए हुए है? कोई पेंशनर लाइन में खड़ा हो सकता है पर भीतर से मरा नहीं है। वहीं, कोई युवा पाँच सितारा दफ्तर में बैठा है पर अंदर से समझौते की जिंदगी जीते जीते सड़ चुका है। सरकार का जीवन प्रमाण पत्र मशीन से मिलता है, आत्मा का जीवन प्रमाण पत्र अंतरात्मा से। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले वाले के लिए अंगूठा चाहिए, दूसरे के लिए साहस। यह सब देखकर कभी-कभी लगता है कि हमारा सिस्टम आत्माओं का मुर्दाघर बन गया है। यहाँ सिर्फ वही जिंदा माना जाता है जो नियमों से मेल खाता है। जो सवाल पूछे, जो सोचने की हिम्मत करे,उसे 'नॉन-कॉम्प्लायंट' घोषित कर दिया जाता है। आदमी की जीवंतता का अर्थ अब सिर्फ यह है कि वह विरोध न करे, बस लाइन में लगा रहे। वोट देता रहे,हां में हां मिलाए और भीड़ के साथ भागता रहे ।

कहने को सब जिंदा हैं,पर ज़िंदगी का स्वाद किसी के पास नहीं। किसी ने नौकरी के नाम पर नींद बेच दी, किसी ने आत्मसम्मान। हर कोई सांस ले रहा है, पर जी नहीं रहा। कोई जीने की कोशिश करता है तो समाज कहता है,इतना एक्टिव क्यों है? और अगर कोई चुप रहे तो पूछा जाता है इतना सुस्त क्यों है? यानी हर हालत में तुम्हें यह साबित करते रहना है कि तुम 'समाज की तरह से जिंदा' हो। इस सबके बीच पेंशनर का अंगूठा पहचानने में मशीन असफल होती है, आंखे ब्लिंक करवाई जाती हैं पर केटरेक्ट के आपरेशन के चलते मशीन पुतली को भी नहीं पहचानती और यही दृश्य हमारे पूरे समाज का पहचान प्रतीक बन जाता है। मशीनें अब इंसान को नहीं पहचानतीं,और इंसान खुद को पहचानने की स्थिति में बचा नहीं है।

तो जब इस नवंबर में बैंक वाले आपसे कहें कि साबित कीजिए कि जिंदा हैं,तो जरा मुस्कराइए और सोचिए,सच में कौन जिंदा है? वो जो ठंड में कांपते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, या वो जो आरामकुर्सी में बैठकर दूसरों की फाइलें रोक रहा है? असल जीवन प्रमाण-पत्र वो नहीं है जो बैंक की मशीन दे,बल्कि वो है जो इंसान खुद अपने भीतर महसूस करे। बाकी तो हम सब बस सरकारी रिकॉर्ड में जिंदा हैं,जीवन में जिंदगी की तलाश में शायद नहीं। तो अब कुछ तो ऐसा करें जिससे साबित हो की हां आप जिंदा हैं।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल

बहुत अफसोस होता है...

जिसके साथ हमने हमेशा वफा की हो
वक्त आने पर वहीं अगर बेवफा हो जाए
तो बहुत अफसोस होता है।
जब घर वाले ही घर वालों के साथ ना रहे
और बाहर वालों के साथ रहना पसंद करें
तो बहुत अफसोस होता है।
जब मां-बाप की मेहनत से कमाई दौलत
अगर बेटा नशे और जुए में उजाड़ देता हो
तो बहुत अफसोस होता है।
जिन पड़ोसियों का मुसीबत में भला किया हो
वहीं पड़ोसी अगर हमारी निंदा चुगली करते हो
तो बहुत अफसोस होता है।
अगर बच्चा रात दिन मेहनत से पढ़ाई करता है
और फिर भी वार्षिक परीक्षा में फेल हो जाता है
तो बहुत अफसोस होता है।
अगर किसी नेता को हमने बहुमत से जिताया हो
और वह राजनेता लालच में पार्टी बदल लेता है
तो बहुत अफसोस होता है।
मां बाप कठिनाइयों से बेटे को बड़ा करते हैं
वही बेटा मां बाप को अगर वृद्ध आश्रम भेज दे
तो बहुत अफसोस होता है।
जो ऑफिसर ईमानदारी का मुखौटा ओढ़? रहा हो
और वही रिश्वत लेता हुआ गिरफ्तार हो जाए
तो बहुत अफसोस होता है।

बेटी की दाम्पत्य जीवन पर हस्तक्षेप का साधन बना मोबाइल

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
(छ.ग.)

आज का युग आधुनिक युग है और पूरी दुनिया आज आधुनिकता के मार्ग में चलने के लिए सब के सब तैयार है। इसी श्रेणी में एक मोबाइल है। मोबाइल हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है। मोबाइल महज एक दूजे का केवल सम्प्रेषण का ही साधन नहीं बल्कि और कई अन्य महत्वपूर्ण कार्य है जो मोबाइल द्वारा घर बेठ ही सम्पन्न हो जाता है। पर आज मोबाइल मां बेटी के मध्य एक नारद मुनि का कार्य करने वाले एक महत्वपूर्ण संसाधन बन गया है। मोबाइल कहीं ना कहीं बेटी की दाम्पत्य जीवन में हस्तक्षेप करने वाला एक सहज संसाधन बन बैठा है। रोज माताएं मोबाइल के माध्यम से बेटी की पति और उसके ससुराल वालों की सारे गतिविधियों के बारे जायजा लेती है,और बेटी को सकारात्मक बातें ना सीखा कर नकारात्मक बातें सीखाती है,जैसे सारे काम तुम ही करते हो, तुम्हारे सास क्या करते, तुम्हारे जेठानी क्या करते,और तुम्हारे ननद क्या करते। काम ज्यादा हो रहा है बेटा तुम्हारा,तुम रोज के रोज थक जाती हो । इससे अच्छा तुम दमाद के साथ अलग क्यों नहीं रहते। यह बात बेटी और मां के लिए कितना सहज हो जाता है, पर यह मां एक क्षण यह नहीं सोचती की वह भी किसी बहू की सास होगी।यह बात जब बेटी की पति के पास पहुंचता है तो उस शख्स (पति) का क्या हाल होता होगा सोचिए।कल पत्नी, बहू, या भाभी के बनकर आयी है वह घर को परिवार को अपने स्वार्थ के खातिर बांटना चाहती है।

घर विभाजन या परिवार विभाजन का बात यदि पति सहज रूप से मान लेता है तो कोई बात नहीं पर यदि पति,पत्नी की इस बात को स्वीकार नहीं करता है तो पति पत्नी के बीच तकरार प्रारंभ हो जाता है। इसी दरम्यान बेटी की मां आग में घी डालने का कार्य करती है,और बेटी को कहती है,बेटा तू ससुराल छोड़ हमारे पास आ जाओ,बेटी मां का प्रश्रय पाकर ससुराल छोड़ मायके चली जाती है। मायके में रहते रहते मां और बेटी ससुराल और पति के कार्यों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करती है या नाजायज बात को मानने के लिए विवश करती है और जब सफल नहीं होती तो वह वकील और न्यायलय की ओर रूख करती है। वकील जानता है की आज की परिवेश में पति के द्वारा पत्नी को प्रताड़ित करना आसान नही है फिर भी वह पति के खिलाफ झूठा मुकदमा दायर करने के लिए प्रेरित करता है,क्योंकि इसमें वकील की गलती नहीं है।वकील का तो कार्य ही है गलत को सही और सही को दलीलों के माध्यम से गलत साबित करना। यहां पर यदि माननीय न्यायालय यदि पुनर दाम्पत्य स्थापित करने का प्रयास करता है और यदि लड़का पक्ष तैयार हो जाता है तो लड़की की दाम्पत्य जीवन बच जाती हैं,नही तो दोनों की दाम्पत्य जीवन बेवजह तबाह हो जा है। पहले मोबाइल का जमाना नहीं हुआ करता था फलस्वरूप बेटी का सम्पर्क लम्बे अरसे के बाद मायके से होता था। ससुराल वालें ही अपने बहू का ख्याल बखूबी रखते थे,और ससुराल और मायके के मध्य कोई शिकायत नहीं होता था। सहज और सरल मधुर संबंध हुआ करता था,पर आज ओ मिठास बहुत कम देखने को मिलता है।

शब्दों की संवेदना

डॉ विजय गर्ग
मलोट पंजाब

शब्द केवल वर्णों का मेल या ध्वनियों का उच्चारण नहीं,बल्कि संवेदनाओं की धड़कन भी होते हैं। ये समंदर की लहरों की तरह होते हैं। कुछ सहलाते हैं, शांति और सुकून देते हैं और वहीं कुछ आत्मा की तलहटी पर जाकर घाव कर देते हैं। कुछ का भाव आंसुओं से भी अधिक नम होता है और कुछ का चीखों से भी अधिक तीखा । जब कोई शब्द बार-बार दोहराया जाता है और सहज इस्तेमाल होने लगता है, तो उसका असर धुंधला पड़ने लगता है। अर्थ तो वही रहता है, पर भाव फीका पड़ जाता है । यही हुआ कुछ शब्दों के साथ जो कभी समाज की रगों में सिहरन भर देते थे और आत्मा को खरोंच देते थे। जैसे बलात्कार,हत्या,जनसंहार,आत्महत्या,भीड़ - हत्या,दहेज,हत्या,बाल शोषण,मानव तस्करी, आतंकवाद, अपहरण आदि । अब ये शब्द खबरों और बातचीत में तो गूंजते हैं, पर आत्मा तक नहीं पहुंचते । मानो इनके प्रति हमारी संवेदना अब शोर में बदल गई है और शब्दों की पीड़ा अक्षरों में सिमटने लगी है । कुछ खौफनाक शब्दों के हम इतने आदी हो गए हैं कि इन्हें बोलते हुए अब गला नहीं रुंधता,रूह नहीं कांपती और इन्हें बोलते समय हम जरा भी नहीं हिचकिचाते । संवादों में, घरों, दोस्तों की महफिल और यहां तक कि बच्चों के सामने भी ये शब्द इतने सहजता से निकल जाते हैं, मानो ये कोई साधारण रोजमर्रा के जुमले हों। अब इनका भय हमारी सहजता में विलीन होने लगा है। हम भूलते जा रहे हैं कि ये शब्द मानवता के ताजे जख्मों को इंगित करते हैं। ये किसी भाषण और बातचीत की अलंकारिक शोभा नहीं, बल्कि सभ्यता की त्रासदी के कड़वे सत्य हैं। हम क्यों भूल रहे हैं बलात्कार शब्द एक स्त्री की टूटी हुई आत्मा का मौन विलाप है...हत्या एक परिवार की बुझी हुई आशाओं का अंधेरा है...जनसंहार में मासूमों की सामूहिक लाशों की निशब्द चीखें हैं... दहेज हत्या में वह आग है जो घर की चौखट पर ही बेटी का जीवन निगल जाती है...बाल शोषण में लुटे हुए बचपन की किलकारियां दफन हैं... मानव तस्करी में बिके हुए सपनों और छिनी हुई आजादी की दास्तान और आतंकवाद में लहूलुहान जमीन और बिखरी हुई चीखों का आतंक है। इन शब्दों का उच्चारण किसी चेतावनी की घंटी की तरह होना चाहिए,जो भीतर तक झकझोर दे और हमें रुककर सोचने पर मजबूर करे। इन्हें सुनते ही मनुष्य को अपनी सभ्यता पर प्रश्नचिह्न दिखना चाहिए और आत्मा को मानो किसी भारी बोझ तले दब जाना चाहिए। पर अफसोस यह है कि हम इन्हें उसी सहजता से ग्रहण करने लगे हैं,जैसे कोई रोजमर्रा की खबर। इन शब्दों को इतना साधारण बना दिया गया है कि अब इनमें न भय शेष रहा, न पीड़ा,न शर्म। बिना गंभीरता के जैसे चाहा बोल दिया गौरतलब है कि जब शब्दों का दर्द हमारे दिलों से उतर जाता है और उनका उच्चारण हमें शर्मिंदा नहीं करता, तब करुणा मर जाती है। और जब करुणा मर जाती है,तो समाज केवल भीड़ में बदल जाता है। एक ऐसी भीड़,जो देखती है,सुनती है,जानती है,पर भीतर से विचलित नहीं होती । यही मानवता के पतन की शुरुआत है,क्योंकि शब्दों की संवेदना ही सभ्यता की अंतिम सांस होती है। अगर शब्द न कांपें,तो आत्मा भी धीरे-धीरे पत्थर में बदल जाती है। जब ऐसे हृदय विदारक शब्द मासूम कानों तक बिना किसी संवेदनात्मक भार के पहुंचते हैं,तो उनकी आत्मा के भीतर संवेदना का पहला अंकुर ही कुचल जाता है। यह सामान्यीकरण केवल शब्दों के भावों का पतन नहीं,बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के हृदय से करुणा और लज्जा के लोप का बीज बोता है। हृदय को छलनी कर देने वाले शब्दों का सामान्यीकरण समाज को मनोवैज्ञानिक रूप से भी प्रभावित करता है। इन शब्दों का दो टूक दोहराव अवचेतन में अपनी तीव्रता खो देते हैं और अपराध धीरे-धीरे हमारे सामूहिक मानस में एक स्वीकृत यथार्थ बन जाता है। इससे अपराध को बढ़ने से रोकने वाली अंतिम दीवार ढह जाती है और अपराधी के भीतर से भी भय का बोध मिटने लगता। दरअसल,जहां संवेदना मरी हो,वहां अपराध को अंकुरित होने के लिए अनुकूल भूमि मिल जाती है। आज बहुत सारे लोग ऐसे दिख जाएंगे,जिनके लिए बोले गए शब्दों से पहले कुछ सोचना जरूरी नहीं लगता, लेकिन वे कई बार ऐसा कुछ बोल जाते हैं,जिससे न केवल किसी एक व्यक्ति को चोट पहुंचती है,बल्कि शब्दों से जुड़ा वह व्यवहार सामाजिक व्यवहार का एक पैमाना और उदाहरण रच देता है । इसके बाद इस तरह के व्यवहार को चलन बनते और किसी के खिलाफ अघोषित हथियार बनते देखा जा सकता है।

आदमी मुसाफिर है,आता है जाता है, आते जाते रस्ते में यादें छोड़ जाता है

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज हरदा मध्य

जीवन एक अनमोल यात्रा है जिसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं होता,हम सब इसी यात्रा के मुसाफिर हैं जो इस संसार में आते हैं, यहाँ अपनी छाप छोड़ते हैं और एक दिन इस सफर से विदा ले जाते हैं। आदमी मुसाफिर है,आता है जाता है, आते जाते रस्ते में यादें छोड़ जाता है यह पंक्ति हमारी जिंदगी की अनित्य भूमिका को दर्शाती है जहाँ व्यक्ति के आने और जाने की प्रक्रिया एक सामान्य सत्य है, जो हमें जीवन की गहराई और अस्थिरता का बोध कराती है। जीवन के मार्ग में अनेक मुसाफिर मिलते हैं,अनेक अनुभव,यादें और शिकवे हम अपने साथ लेकर चलते हैं, और यह सभी हमारी पहचान और अस्तित्व का हिस्सा बन जाते हैं। इस सफर में कभी-कभी अकेला महसूस होना भी स्वाभाविक है, जैसे हवा का झोंका या पानी की बहती लहर होती है, जो अपने रास्ते पर चलती रहती है, पर फिर भी संघर्ष और विजय के बीच जीवन की नैया डोलती रहती है। हर किसी की अपनी कहानी,अपनी कसक,और अपने सुख-दु:ख होते हैं जिन्हें वह अपने दिल के करीब रखता है, और यही जीवन को इतना जटिल,सुंदर और अर्थपूर्ण बनाता है। इस अस्तित्व की छोटी-छोटी खुशियाँ,असफलताएँ, मिलने-जुलने वाले लोग और उनके साथ जुड़े पल हमारी जिंदगी के सबसे कीमती रत्न हैं, जिन्हें हम संजोते हैं और जो हमारे अंदर गहरे भावनात्मक अनुभवों का सर्जन करते हैं। जीवन का यह सफर हमें यह भी सिखाता है कि चाहे जितनी भी परेशानियाँ आएं, यादें छूट जाएं, अकेलापन सताए, पर आशा की किरण कभी खत्म नहीं होती और हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

अमित बघेल द्वारा भगवान अग्रसेन के खिलाफ दिए गए विवादित टिप्पणी के विरोध में धरना-प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़े जाने को लेकर प्रदेशभर में तनाव बढ़ गया है। कुछ समय पहले रायपुर में अज्ञात व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ दी थी, जिससे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इस घटना के बाद प्रदेश सरकार ने तत्काल वहां नई मूर्ति स्थापित की, लेकिन इसी मुद्दे पर छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने अग्रसेन समाज और सिंधी समाज के धर्मगुरुओं के खिलाफ अपत्तिजनक बयान दिए थे। अमित बघेल द्वारा की गई इस टिप्पणी ने प्रदेशभर में बवाल मचा दिया। उन्होंने कहा था कि इन समाजों के धार्मिक गुरुओं की मूर्तियां क्यों नहीं तोड़ी जातीं और उन्होंने सिंधी समाज को लेकर भी विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया। बघेल की इन टिप्पणियों ने अग्रसेन और सिंधी समाज के लोगों में गहरी नाराजगी पैदा की, और उनके खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। अंबिकापुर में इस मुद्दे को लेकर शनिवार को सर्व समाज के लोग एकजुट हुए और अग्रसेन चौक पर धरना प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने 48 घंटे के भीतर अमित बघेल की गिरफ्तारी की मांग की। उनका कहना था कि यदि बघेल को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे प्रदेशव्यापी बंद का आह्वान करेंगे और आंदोलन को और तीव्र करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि किसी भी समाज के धर्मगुरुओं, महापुरुषों और भगवान के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंबिकापुर में अग्रसेन और सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने इस मामले में पुलिस प्रशासन से मुलाकात की और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उनका आरोप था कि बघेल की टिप्पणी से समाज में धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है, इसलिए उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस पूरे विवाद ने राज्य में साम्प्रदायिक माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया है, और अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में किस तरह की कार्रवाई करता है।

7 माह की गर्भवती पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत जजगा के कठरापारा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आया जहां एक सात माह के गर्भवती महिला को उसके पति ने डंडे से पीट पीटकर निर्ममतापूर्वक उसकी हत्या कर दी, जिसमें मां के साथ उसके गर्भ में पल रहे शिशु की भी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हत्यारे पति को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही में जुटीं है। मामला ग्राम पंचायत जजगा के कठरापारा का है। जो 7 नवम्बर 025 को दोपहर 2 बजे आरोपी पति राजीव दास महंत आ, बन्नू दास 34 वर्ष, अपने घर पहुंचा जिसमें एक छोटा सा किराना दुकान भी है, दुकान पर उसकी पत्नी नही थी पीछे का भी दरवाजा खुला हुआ था, पूछने पर पता चला कि वह मायके चली गयी है। आरोपी राजीव दास अपने पड़ोसियों पर शक करता था, कि उसकी पत्नी को मायके जाने के लिए बहकाते है, ताकि शराबी पति पत्नी की मायके पति के घर से महज दो किलोमीटर की दूरी पर ही है। पत्नी के दुकान व घर को खुला छोड़कर मायके चले जाने से नाराज आरोपी पति ने उसके मायके पहुंच कर उसे फुसलाकर अपने घर लाया और उसे डंडे से बेदम पीटा और इसके बाद एक कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया। जब देर रात तक घर से कोई आवाज नही आया तो पड़ोसियों ने 112 डायल कर सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 व 108 की टीम ने दरवाजा खोलकर देखा तो महिला मृत पड़ी थी। जिसे पंचनामा पश्चात पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। जहाँ शार्ट हेंड पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला के गर्भ में सात माह का शिशु पल रहा था, मां के साथ उसकी भी मृत्यु हो गई।

आयुर्वेद अधिकारी संघ ने की संवाद कार्यक्रम की घोषणा संविदा चिकित्सकों के नियमितिकरण की उठाई मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में शुक्रवार को आयुर्वेद अधिकारी संघ द्वारा एक प्रदेशस्तरीय संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में आयुर्वेद चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं के सशक्तिकरण और चिकित्सकों की समस्याओं को उजागर करना था।

संघ के प्रांताध्यक्ष गजाधर पंडा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि सरगुजा जिले में 1200 से अधिक संविदा आयुर्वेद चिकित्सक कार्यरत हैं, जो वर्ष 2003 से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज तक उनका नियमितिकरण नहीं किया गया है। पंडा ने बताया कि संविदा चिकित्सकों का वेतन वृद्धि समय पर नहीं होती और उन्हें कई अन्य सुविधाओं से भी वंचित किया जाता है। उन्होंने ने आगे कहा कि संघ ने स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर अपनी मुख्य मांगें रखी हैं, जिनमें आयुर्वेद संविदा चिकित्सकों का नियमितिकरण,वेतन वृद्धि, और चिकित्सा अवकाश की प्रावधान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मांग की कि आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए प्रशासनिक पदों पर पदोन्नति का अवसर प्रदान किया जाए और उन्हें 4 स्तरीय निर्धारणमान की व्यवस्था दी जाए। संघ ने यह भी सुझाव दिया कि आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों के लिए 2008 के बाद बने नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदों की स्वीकृति दी जाए, ताकि आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली को मजबूती मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि सरगुजा जिले में आयुर्वेद चिकित्सालय में शल्य चिकित्सक और पंचकर्म सहायक की नियुक्ति की जाए,ताकि क्षारसूत्र चिकित्सा की गुणवत्ता में सुधार हो सके। संघ ने यह भी प्रस्ताव रखा कि जिले में जिला आयुर्वेद कार्यालय और आवासीय भवन का निर्माण किया जाए, और आयुष के तहत ब्लॉक आयुष मेडिकल ऑफिसर पद की व्यवस्था की जाए। पंडा ने आगे कहा कि आयुर्वेद चिकित्सकों को एलोपैथिक चिकित्सकों की तरह दूरस्थ और कठिन क्षेत्रों में काम करने के लिए सीआरएमसी लाभ भी दिया जाए। इस कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ सदस्य कोमल सिंह, निशांत कौशिक, आशीष सिंह और अन्य आयुर्वेद चिकित्सक भी उपस्थित रहे।

चिटफंड के मामले मे 02 आरोपी गिरफ्तार...

थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपियों के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

- आरोपियों द्वारा आपराधिक षड़यंत्र कारित करते हुए शेयर मार्केट मे पैसे लगाने पर प्रतिमाह 10 प्रतिशत का मुनाफा देने का झांसा देकर लाखो की कि गई थी ठगी
- मामले मे पूर्व मे 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष किया गया था पेश
- चिटफण्ड के मामलो मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

उक्त ठगी के मामले में बताया गया कि प्रार्थी भोला प्रसाद कुर्रे ने दिनांक 03/12/24 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 24/01/24 से 02/06/24 के मध्य आरोपी संजीत अग्रवाल अपने परिवार के सदस्यों व अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षडयंत्र करते हुए लोगों को शेयर मार्केट में रूपये लगाने पर प्रतिमाह 10 प्रतिशत का मुनाफा देने का लालच देकर लोगों से लाखों रूपये का धोखाधड़ी किया है कि रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 715/24 धारा 420, 120 (बी) भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना के दौरान प्राथी व गवाहों का कथन दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी तथा गवाहों के बैंक स्टेटमेंट प्राप्त कर खाते के अवलोकन पर पाया गया कि आरोपियों के खाते में भारी मात्रा में रूपये जमा किया गया है, प्रकरण में पंजीयक कार्यालय अम्बिकापुर से जानकारी प्राप्त किया गया है जो आरोपी का कम्पनी शुभ निवेश स्टॉक मार्केट का पंजीयन नहीं होना पाया गया है। प्रकरण में विवेचना दौरान पाया गया कि आरोपी संजीत अग्रवाल व अन्य आरोपियों के द्वारा शुभ निवेश स्टाक मार्केट के नाम से कंपनी खोलकर बिना अनुमति के लोगों को ज्यादा लाभ देने का झांसा देकर स्थानीय लोगों को एजेंट का कार्य देकर चैन सिस्टम के माध्यम से सीधे साधे निवेशकों से रूपये जमा कराकर करोडो रूपये की ठगी कर कंपनी का कार्यालय बंद कर भाग गये है। विवेचना दौरान आरोपियों के द्वारा ईनामी चिट और धन परिचालन स्कीम (पाबंदी) अधिनियम 1978 की धारा 4,5,6 एवं छत्तीसगढ़ के निक्षेपको का हितों का संरक्षण नियम 2005 की धारा 10 का अपराध घटित करने का साक्ष्य पाये जाने से होना पाये जाने से उक्त धारा जोडीकर मामले मे अग्रिम कार्यवाही की गई। प्रकरण की विवेचना दौरान निवेशक एवं गवाहो के कथन व प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन पर पाया गया कि भोला प्रसाद कुर्रे निवेशको से संपर्क कर शुभ निवेश कंपनी को अपना होना बताकर तथा विश्वास दिलाकर छल पूर्वक रूपये निवेश कराये तथा अपने खाता में लाखो रूपये लिये गए है,उक्त खातों का अवलोकन करने पर रूपये को लगातार खर्च करना पाया गया किंतु कंपनी के नाम के किसी भी खाते से रुपयों को जमा नहीं किया गया है। प्रकरण की विवेचना दौरान पुलिस टीम द्वारा मामले मे भोला प्रसाद कुर्रे, देवकुमार कुर्रे व संजीत अग्रवाल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पूर्व मे पेश किया गया था। दौरान विवेचना प्रकरण मे नामजद आरोपी कन्हैयालाल अग्रवाल की संलिप्तता के संबंध में निवेशको द्वारा बताया गया है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी से पुछताछ किये जाने पर अपना नाम (01) कन्हैयालाल अग्रवाल आत्मज स्व. गुगन राम अग्रवाल उम्र 60 वर्ष साकिन भैयाथान रोड सूरजपुर जिला सूरजपुर का होना बताया,आरोपी कन्हैयालाल को प्रकरण मे गिरफ़्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, विवेचना दौरान आरोपी संजीत अग्रवाल के आईसीआईसीआई स्थित बैंक खाता का अवलोकन करने पर निवेशकों से प्राप्त रकम को आईसीआईसीआई स्थित छाया मोबाइल नामक बैंक खाता में ट्रांसफर किया जाना पाया गया। उक्त खाता के संबंध में जानकारी लेने पर खाता साकेत साहू द्वारा संचालित होना पाया गया। संजीत अग्रवाल के द्वारा अपने कथन में ठगी से प्राप्त रकम को छाया मोबाईल के खाता में ट्रांसफर कराकर नगदी प्राप्त करना बताया गया है। जिस संबंध में साकेत साहू को थाना लाकर नोटिस देकर संजीत अग्रवाल के खाता में ट्रांसफर हुए रकम के संबंध में वैध दस्तावेज चाहा गया जो कोई दस्तावेज नहीं होना।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार..

थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही, आरोपी द्वारा पीड़िता कों शादी का झांसा देकर कारित की गई थीं घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मामले में बताया गया कि प्रार्थिया दिनांक 17/10/25 को थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक 15/09/23 को ग्राम सुपकालो सोनाजोरी थाना कापू जिला रायगढ़ निवासी माईकल एक्का प्रार्थिया को शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, और अब शादी करने से इंकार कर रहा है, प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 768/25 धारा 376(2)(ढ) भा.द. वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थिया एवं गवाहों का कथन लेखबद्ध कर मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत् प्रयास से मामले के आरोपी माईकल एक्का को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना नाम माईकल एक्का आत्मज टीबुराम एक्का उम्र 35 वर्ष साकिन सुपकालो सोनाजोरी थाना कापू जिला रायगढ़ का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया,आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक रम्भा साहू, प्रधान आरक्षक सदरक लकड़ा देवेंद्र पाठक,दीपक पाण्डेय सक्रिय रहे।

राजीव गांधी पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया ग्राम पंचायत मेंड्रा खुर्द का शैक्षणिक भ्रमण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने ग्राम पंचायत में ड्राखुर्द का शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पंचायत में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी ली और उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया को नजदीक से समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर योजनाओं के लाभ और उनके प्रभाव के बारे में चर्चा की। पंचायत प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। कॉलेज के शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में ग्रामीण प्रशासन, शासन व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन प्रणाली की व्यवहारिक समझ विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि ऐसे अनुभव उन्हें समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देते हैं।

पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह के बयान पर राजनीति गरमाई कांग्रेस ने मानहानि का मामला दर्ज करने की मांग की

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस पार्टी से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह के एक विवादित बयान को लेकर सरगुजा में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है, जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के अध्यक्ष ने थाना कोतवाली में आवेदन प्रस्तुत कर पूर्व विधायक के खिलाफ आपराधिक मानहानि का प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। दाखिल आवेदन में कहा गया है कि पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह द्वारा सोशल मीडिया और विभिन्न मीडिया माध्यमों में कांग्रेस पार्टी, पार्टी के संगठन सृजन अभियान, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ की सह प्रभारी सुश्री जरीता लैतफलांग तथा सरगुजा संभाग के जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों पर आधारहीन एवं अमर्यादित आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों को पार्टी ने पूरी तरह तथ्यहीन और प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचाने वाला बताया है, जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि बृहस्पति सिंह को पहले भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते कांग्रेस से निष्काषित किया जा चुका है। इसके बावजूद वे लगातार बिना प्रमाण के बयानबाज़ी कर पार्टी एवं उसके वरिष्ठ नेताओं की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। आवेदन में यह भी बताया गया है कि बृहस्पति सिंह पूर्व में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव और पूर्व प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के विरुद्ध भी ऐसे ही आरोप लगा चुके हैं और बाद में उन्हें सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी थी, आवेदन में यह आरोप लगाया गया है कि वर्तमान बयान के कारण पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम की विश्वसनीयता को आघात पहुँचा है। साथ ही यह बयान उन कार्यकर्ताओं और दावेदारों की भी छवि को प्रभावित करता है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत जिलाध्यक्ष पद के लिए दावा प्रस्तुत कर रहे हैं, कांग्रेस ने पुलिस से मांग की है कि पूर्व विधायक के वायरल बयान की जांच कर उनके विरुद्ध आपराधिक मानहानि का अपराध दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाए। आवेदन के साथ बयान की वीडियो सीडी भी साक्ष्य के रूप में संलग्न की गई है, प्रकरण पर पुलिस द्वारा जांच उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, खिलाडियों को मिलेगा मंच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में पहली बार जिला स्तरीय दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज और महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में 35 टीमों ने भाग लिया, जिनमें 18 बालक और 17 बालिका टीम शामिल थीं। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने उद्घाटन के दौरान कहा कि सरगुजा जिले की मिट्टी में कबड्डी का जुनून हमेशा से रहा है, लेकिन यहां के खिलाड़ियों को अब तक सही मंच नहीं मिल पाया था। उन्होंने बताया कि कबड्डी का खेल ग्रामीण क्षेत्रों में खास लोकप्रिय है, और गांवों में इसे केवल मनोरंजन के रूप में खेला जाता है। मंजूषा भगत ने जिला कबड्डी संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संघ ने जिले की छुपी हुई कबड्डी प्रतिभाओं को सामने लाने का बीड़ा उठाया है। पहली बार अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, जो इस खेल को नए आयाम प्रदान करेगा।

अंबिकापुर का गर्व : सूरज को खुली आंखों से देखने वाले लाल विजय श्रीवास्तव बना रहे हैं विश्व रिकॉर्ड

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर के लाल विजय श्रीवास्तव (डायरेक्टर ब्रेन अकैडमी) ने अपने अद्भुत संकल्प और साधना से सबको हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि वे सूरज को खुली आंखों से देखने की अनोखी क्षमता रखते हैं और अब वे विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में हैं। यह अंबिकापुर व सरगुजा जिले के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे क्षेत्र का एक व्यक्ति अपनी विशेष योग साधना और आत्म-नियंत्रण से देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनाने जा रहा है। लाल विजय श्रीवास्तव का कहना है कि यह क्षमता उन्होंने वर्षों की नियमित साधना और मानसिक एकाग्रता से प्राप्त की है। उनका उद्देश्य इस विशेष प्रतिभा के माध्यम से समाज को यह संदेश देना है कि मानव शरीर और मन में अपार शक्ति निहित है, बस उसे पहचानने की जरूरत है। इस उद्देश्य से उन्होंने ब्रेन अकैडमी की स्थापना की है जिसमें 5 साल से 14 साल के उम्र के बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए क्लासेस चलाए जाते हैं जो की साप्ताहिक क्लासेस होते हैं और इन क्लासेस में बच्चों का मानसिक विकास करने के लिए कई तरह की गतिविधियां कराई जाती हैं जिससे बच्चों के मस्तिष्क का बहुत अच्छा विकास होता है जिसका फायदा बच्चों के व्यक्तित्व में व्यवहार में स्पष्ट दिखाई देता है।

अंबिकापुर के वर्तमान जिला न्यायालय से सटे शासकीय भूमि पर ही नवीन न्यायालय भवन का निर्माण हो : राजेश दुबे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के महामंत्री एवं सरगुजा संभाग के प्रभारी अधिवक्ता राजेश दुबे ने दिनांक सात नवंबर को कलेक्टर सरगुजा, जिला न्यायाधीश अंबिकापुर को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि माननीय छ ग उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार अंबिकापुर में नवीन न्यायालय भवन के निर्माण के लिए भूमि चयन के संबंध में सन 2020 में माननीय उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति जो अंबिकापुर न्यायालय के पाल्य अधिकारी थे उनके अंबिकापुर प्रवास पर उनके साथ तत्कालीन जिला न्यायाधीश महोदय,तत्कालीन कलेक्टर महोदय एवं जिला अधिवक्ता संघ सरगुजा के उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि वर्तमान न्यायालय भवन से सटे हुए आयु पूर्ण शासकीय भवन गुलाब कॉलोनी एवं आसपास के अतिक्रमित शासकीय भूमि का चयन किया गया था जिसका भूखंड क्रमांक 505/13 रकबा 2.59 एकड़ है पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त करने पर रकबा लगभग चार एकड़ होगा । उक्त भूमि के चयन होने के बाद भूमि का नक्शा ,स्टीमेट,प्राक्कलन मंजूरी हेतु छत्तीसगढ़ शासन के पास भेजा गया जहाँ से 46,025,2000 रू राशि स्वीकृत हो चुकी है । राजेश दुबे ने आगे कहा कि हैरानी की बात तब हो गई जब कलेक्टर सरगुजा द्वारा पूर्व भूमि चयन एवं स्वीकृति के बावजूद अंबिकापुर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सूरजपुर जिले के सरहदी ग्राम चथीरमा में केंद्र सरकार के पुनर्वास मद की भूमि जिसका भूखंड क्रमांक क्रमशः 344,345 है को शासकीय मद में घोषित कर नवीन न्यायालय भवन निर्माण हेतु भूमि के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई जबकि राजस्व पुस्तक परिपत्र एवं केंद्र सरकार के पुनर्वास नीति एवं नियम के अनुसार कलेक्टर को केंद्र सरकार की पुनर्वास की भूमि जो एक विशेष प्रयोजन की भूमि है उसके मद को परिवर्तित करने का कोई अधिकार नहीं है उक्त मद की भूमि को राज्य सरकार केंद्र सरकार से अनुमति लेने के बाद ही भूमि के मद में परिवर्तन कर सकता है। ग्राम चठीरमा में पुनर्वास भूमि आवंटन नहीं रोके जाने के स्थिति में विधानसभा एवं लोकसभा में इसकी गूंज सुनाई देगी जिसकी जवाबदेही कलेक्टर सरगुजा एवं राज्य सरकार की होगी।सरगुजा तत्कालीन कलेक्टर जी एस धनंजय जी के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर पुनर्वास की भूमि विक्रय की अनुमति दी गई थी मेरे पहल करने पर विधानसभा में इसकी गूंज उठी थी परिणाम स्वरूप सभी अनुमति निरस्त किए गए थे और कलेक्टर साहब का तत्काल तबादला हो गया था। राजेश दुबे ने कहा कि वर्तमान जिला न्यायालय के नजदीक ही समस्त राजस्व न्यायालय है,उपभोक्ता फोरम,परिवार न्यायालय है ऐसी स्थिति में अधिवक्ता एवं पक्षकारों को प्रकरणों में उपस्थिति सुविधाजनक होता है। ज्ञापन सौंपने में कांग्रेस विधि विभाग के जिलाध्यक्ष देवकांत त्रिवेदी, विनय पांडेय,इशरत सिद्दकी,केके मिस्त्री,प्यारेलाल यादव,मृत्युंजय जायसवाल,निखत कलीम,रेशमा परवीन,रूमा विश्वास सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे ।

CMYK

फिर अंबिकापुर में सरकार बनाम सरकार!

न्यायालय वही बने जहाँ जनता के लिए न्याय प्राप्त करना सरल हो,न्याय जनता के बीच रहे...जनता से दूर नहीं : सम्पूर्णाक

- **अंबिकापुर में न्यायालय भवन के नए निर्माण स्थल पर घमासान,अपनी ही सरकार के खिलाफ उतरे सांसद,मंत्री और महापौर**
- **न्यायालय भवन को शहर से 10 किलोमीटर दूर ले जाने के निर्णय पर विवाद तेज,प्रशासन और जुडिशरी पर मनमानी के आरोप**

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा मुख्यालय अंबिकापुर में प्रस्तावित नए जिला न्यायालय भवन के निर्माण स्थल को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक खींचतान तेज हो गई है,मामला कितना गंभीर हो गया है कि भाजपा के सांसद,मंत्री और महापौर तीनों अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना देने पर मजबूर हो गए। जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन के लिए चुने गए स्थान को लेकर जनता और अधिवक्ताओं में गहरा असंतोष है, वर्तमान न्यायालय परिसर जहां वर्षों से न्यायिक गतिविधियों का केंद्र रहा है उसी स्थान पर नया भवन निर्माण की मांग उठ रही है। लेकिन इसके विपरीत न्यायालय को शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया जिसे अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने जनहित के विरुद्ध एवं दादागिरी पूर्ण निर्णय बताया है। जानकारी के अनुसार जिस भूमि को पहले क्रिकेट एसोसिएशन को देने की बात कही जा रही थी उसी स्थान को अब जल्दबाजी में न्यायालय निर्माण हेतु स्वीकृत कर दिया गया, जबकि वर्तमान न्यायालय परिसर के आसपास करीब 2 एकड़ 69 डिसमिल शासकीय भूमि पहले से उपलब्ध है। इसके अलावा समीपस्थ गुलाब कॉलोनी जो कथित रूप से शासकीय भूमि पर ही बनी है,उसे खाली कराया जाए तो अतिरिक्त लगभग 4 एकड़ भूमि आसानी से उपलब्ध हो सकती है,अधिवक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन इस दिशा में कार्रवाई करने से इसलिए बच रहा है क्योंकि इस कॉलोनी में कोर्ट मैनेजर और कोर्ट अधीक्षक सहित कुछ प्रभावशाली लोग स्वयं कब्जाधारी हैं। इन लोगों को हटाना प्रशासन के लिए असुविधाजनक होता,इसलिए न्यायालय को जनता से दूर ले जाने का संकल्प अपनाया गया।

जनता और अधिवक्ता एकजुट

स्थानीय नागरिकों और अधिवक्ता संघ ने भी मौजूदा परिसर के समीप भवन निर्माण की मांग को सही ठहराया है,उनका कहना है कि नया न्यायालय भवन शहर के केंद्र से दूर होने पर वादकारियों को न्याय पाने में अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ेगी।

स्थल चयन पर असहमति, पुराने परिसर के पास निर्माण की मांग-

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और अंबिकापुर महापौर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शासन को पत्र लिखकर स्पष्ट कहा है कि न्यायालय भवन का निर्माण मौजूदा कोर्ट परिसर के पास ही किया जाए, ताकि अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम जनता को सुविधा बनी रहे, वहीं प्रशासन ने नया स्थान शहर से दूर क्षेत्र में चयनित कर लिया है, जिसका विरोध अब खुलकर सामने आ रहा है।

अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना,सोशल मीडिया पर तंज

धरना और विरोध के इस अनोखे रूप पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं, लोगों ने लिखा, अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना, इसे कहते हैं स्वयं से संघर्ष की कला। जब मंत्री-सांसद की नहीं सुन रहा प्रशासन, तो जनता की कौन सुनेगा? सत्ता में रहकर समर्थन मांगना भी अब गज़ब है।

प्रशासन मौन,सवाल कायम

जनप्रतिनिधियों के सार्वजनिक विरोध और सोशल मीडिया पर बढ़ती नाराजगी के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है,लोग पूछ रहे हैं,जब सत्ता में रहते हुए मंत्री और सांसद को ही अपनी सरकार से निर्णय कराने के लिए आंदोलन करना पड़े,तो आम जनता की सुनवाई कौन करेगा?

फिर अंबिकापुर में सरकार बनाम सरकार

इधर सरगुजा मुख्यालय अंबिकापुर में भाजपा के सांसद चिंतामणि महाराज,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और महापौर तीनों अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना देते नजर आए, मुद्दा नए जिला न्यायालय भवन का स्थान, तीनों नेताओं ने पत्र लिखकर मांग की कि भवन मौजूदा परिसर के पास बने,लेकिन जवाब में खुद की सरकार का प्रशासन ही चुप्पी साधे हुए है।

न्यायालय को शहर से दूर ले जाने का असर जनता पर कैसे पड़ेगा : वादकारियों और ग्रामीणों को: बस से उतरकर ऑटो या अन्य साधन से न्यायालय तक पहुंचना पड़ेगा इससे यात्रा में समय व किराए का दोगुना खर्च बढ़ जाएगा यदि उन्हें उसी दिन राजस्व विभाग, कलेक्ट्रेट या वकालत के अन्य कार्यालयों में जाना पड़े,तो उन्हें फिर शहर लौटने पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा अधिवक्ताओं का कहना है: यह निर्णय जनता के लिए न्याय पाने की प्रक्रिया को सरल नहीं,बल्कि महंगा और कठिन बना देगा। यह न्याय को जनता से दूर ले जाने वाला कदम है।

जनता ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर तीखे तंज कसे...

अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना – इसे कहते हैं स्वयं से संघर्ष की कला! जब मंत्री, सांसद की नहीं सुन रहा प्रशासन – तो जनता की क्या सुनेगा?

जनता बनाम प्रशासन और सरकार बनाम सरकार

न्यायालय भवन का निर्माण स्थल केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं,बल्कि यह अब जनता बनाम प्रशासन और सरकार बनाम सरकार का प्रतीक बन गया है,अंबिकापुर की यह घटना प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक समन्वय पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह छोड़ रही है।

जनता की प्रतिक्रिया

स्वयं से संघर्ष की कला! सोशल मीडिया पर लोग इस मुद्दे पर जमकर टिप्पणी कर रहे हैं,कुछ प्रमुख प्रतिक्रियाएं...

- दिनेश कुमार शर्मा : अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना — इसे कहते हैं स्वयं से संघर्ष की कला!
- अविषेक शुक्ला : ग़ज़ब का उल्लू बना रहे हैं सबको इस्तीफा देना चाहिए,सरकार में रहना व्यर्थ है।
- विनोद हर्ष : इसी को लोकतंत्र कहते हैं।
- विकास शर्मा : सत्ता में रहते मंत्री,सांसद समर्थन दे रहे हैं — गज़ब है!
- राज गुप्ता : सांसद शासन से निर्णय कराने में सक्षम हैं या समर्थन का मूल्य ही यही है?
- रविशंकर पाण्डेय : यह गुंडों की सरक्षण वाली सरकार है।
- मनोज कुमार तिवारी: सरकार की सुनवाई ही नहीं कर रहे हैं प्रशासनिक अधिकारी

क्यों उठ रहा है विरोध?

अधिवक्ता संघ ने दस्तावेज सहित बताया है कि: वर्तमान न्यायालय परिसर के भीतर और आसपास 2 एकड़ 69 डिसमिल शासकीय भूमि उपलब्ध है,समीप स्थित गुलाब कॉलोनी,जो कथित रूप से शासकीय भूमि पर ही निर्मित है,को खाली कराया जाए तो अतिरिक्त 4 एकड़ भूमि और उपलब्ध हो सकती है,अधिवक्ताओं का आरोप है कि इस कॉलोनी में कोर्ट मैनेजर,कोर्ट अधीक्षक एवं कुछ प्रभावशाली कर्मचारी स्वयं कब्जाधारी हैं,इसलिए प्रशासन इस कब्जे को हटाने के बजाय न्यायालय भवन को ही जनता से दूर स्थानांतरित करने की कोशिश कर रहा है।

आम जनता पर बढ़ेगा बोझ

शहर और दूर-दराज से आने वाले वादकारियों को अब न्यायालय पहुंचने में अतिरिक्त यात्रा समय, बस किराया, ऑटो का अलग खर्च सब कुछ अधिक देना होगा, जो व्यक्ति शहर के विभिन्न विभागों,विशेषकर राजस्व कार्यालय, में भी कार्य करते हैं,उन्हें अदालत से वापस शहर लौटने में पुनः खर्च और समय की हानि झेलनी पड़ेगी। नागरिकों का कहना है कि यह फैसला उनके लिए सजा से कम नहीं।

अधिवक्ताओं के लिए भी जोखिम

अधिवक्ताओं का कहना है कि अब उन्हें राजस्व न्यायालय और जिला न्यायालय के बीच बार-बार यात्रा करनी होगी, जिससे न केवल समय की भारी बर्बादी होगी,बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ जाएगा।

निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल

कुछ अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय भवन को शहर से दूर इसलिए बनाया जा रहा है ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर निगरानी कमजोर हो जाए। शहर में निर्माण होता, तो अधिवक्ता और जनता नियमित रूप से गुणवत्ता की निगरानी कर सकते थे। दूर स्थान निर्माण होने से निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता में समझौता कर लेने का अवसर मिल सकता है।

न्याय जनता के बीच रहे,जनता से दूर नहीं

यह पूरा मामला अब सिर्फ निर्माण स्थल चयन का नहीं, बल्कि जनसुविधा बनाम प्रशासनिक मनमानी का विषय बन गया है, जनता और अधिवक्ताओं की मांग साफ है, न्यायालय वहीं बने जहाँ जनता के लिए सुविधाजनक हो, न्याय जनता के बीच रहे, जनता से दूर नहीं। यह मुद्दा अब केवल निर्माण स्थल का विवाद नहीं,बल्कि जनहित बनाम प्रशासनिक मनमानी का प्रश्न बन गया है, अधिवक्ताओं और आम जनता की मांग है न्याय जनता के लिए है, इसलिए न्यायालय जनता के बीच ही रहना चाहिए,दूर नहीं।

सोशल मीडिया में मारपीट का वीडियो हुआ था वायरल

पुलिस ने क्रेशर प्लांट में डीजल चोरी के शक में मारपीट करने वाले 4 आरोपीयो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

-संवाददाता-
बारियों,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना अंतर्गत आने वाले बरियों पुलिस चौकी क्षेत्र के भिलाईखुर्द में संचालित केसर प्लांट में डीजल चोरी करने के शक में केसर प्लांट में काम करने वाले दो वर्करों के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट करने का वीडियो बीते 2 दिनों वायरल हुआ था, उक्त घटना से आहत परिजनों के शिकायत पर पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले कुल 04 आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध कमांक 250/2025 धारा 127 (2), 296, 351 (2), 191(2), 191 (3) बीएनएस 3(2) वी. क,3-1, द, थ एसी/एसटी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी रविशंकर यादव पिता दलगर यादव, उम्र 22 वर्ष, नि. कल्याणपुर,लटौरी, जिला सूरजपुर। 2. आनंद बिसी पिता पाण्डव बिसी, उम्र 35 वर्ष, नि. भिलाईखुर्द, बरियों, जिला बलरामपुर मनोज यादव पिता रामलखन, उम्र 38 वर्ष, निवासी बादा, चौकी बरियों, जिला बलरामपुर अनिल कुमार पिता गोविन्द राम, निवासी ग्राम नवापारा, पड़ौली, धौरपुर,जिला सरगुजा भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार प्रार्थी बिनोद सारथी पिता बलदेव सारथी,उम्र 25 वर्ष, निवासी बधिमा, चौकी बरियों एवं वरूण शर्मा पिता

बाबूलाल शर्मा,उस 30 वर्ष, हाल मुकाम ग्राम भिलाईखुर्द के द्वारा दिनांक 07/11/2025 को चौकी उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 04/11/2025 को सुबह करीब 08:00 बजे प्रार्थी विनोद सारथी एवं वरूण शर्मा गाड़ी चालने के लिए लालू के केसर ग्राम भिलाईखुर्द गया था, केसर पर ही था, उसी समय करीब 10-11 बजे ग्राम भिलाईखुर्द के सिंघल क्रेशर का मुंशी संजय प्रधान व उसके साथी डॉक्टर, रविशंकर, जे.पी. यादव, मोनू दास, रामलाल, दीपक अग्रवाल व अन्य साथियों के साथ आये और प्रार्थी बिनोद सारथी एवं वरूण शर्मा दोनों के साथ मारपीट किया था। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर बरियों चौकी में अपराध क्रमांक 250/2025 धारा 127(2), 296, 351 (2), 191(2), 191(3) बीएनएस 3 (2) वी. क, 3-1, द, घ एसी/एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना के दौरान चौकी प्रभारी द्वारा प्रार्थी व गवाहों का बयान लिया गया तथा घटनास्थल निरीक्षण किया गया, पुलिस ने विवेचना में पाया आरोपियों ने प्रार्थीगण के साथ मारपीट करना पाया गया है, जिससे प्रार्थीगण मानसिक रूप से आहत हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों का पालन करते हुए विधिवत आरोपियों को नोटिस दिया गया। जिस पर आरोपियों के उपस्थित नहीं होने तथा विवेचना में सहयोग नहीं करने पर उन्हें हिरासत में लेकर आरोपी रविशंकर यादव पिता दलगर राम यादव, उम्र 22 वर्ष, जाति बरगाह, निवासी ग्राम कल्याणपुर, चौकी लटौरी, थाना जयनगर, जिला सूरजपुर 02. आनंद बिसी पिता पाण्डव बिसी, उम्र 35 वर्ष, जाति कोलता, निवासी भिलाईखुर्द, चौकी बरियों, थाना राजपुर, जिला बलरामपुर रा.गंज 03. मनोज यादव पिता रामलखन यादव, उम्र 38 वर्ष, जाति अहीर, निवासी बादा, चौकी बरियों, थाना राजपुर 04. अनिल कुमार पिता गोविन्द राम, निवासी नवापारा, पड़ौली, थाना धौरपुर, सरगुजा से घटना के संबंध में पुछताछ किया गया पूछताछ पर आरोपियों के विरूद्ध धारा सदर का अपराध सबूत पाये जाने पर आरोपियों को दिनांक 08/11/2025 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

प्रकरण के अन्य सभी पहलुओं पर विवेचना जारी है। कार्यवाही में एसडीओपी श्री इमानुएल लकड़ा,उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिह,चौकी प्रभारी बरियों,प्र.आर. प्रदीप यादव, विजय गुप्ता,आर. जगनाथ केराम, सुरेन्द्र रवि,ईश्वर मरावी,अजय टोप्पो का सराहनीय योगदान रहा।

सिचाई मोटर पम्प चोरी करने वाले दो शातिर चोर चढ़े बरियों पुलिस के हत्थे

आरोपियों के पास से दो अलग-अलग स्थान से चोरी की गई सिचाई मोटर पम्प किया गया बरामद

-संवाददाता-
बारियों,08 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के बरियों चौकी क्षेत्र में सिंचाई पंप चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 249/2025 धारा 303(2) बी.एन.एस.के तहत कार्यवाही कर आरोपी सहरू सांडिल्य उर्फ बरी पिता तेजन राम, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम बधिमा, चौकी बरियों, थाना राजपुर जिला बलरामपुर-रा0गंज, रमेश यादव पिता राम केवल यादव, उम्र 25 वर्ष,निवासी ग्राम चन्द्रमेदा,पुलिस चौकी भैयाथान,जिला सूरजपुर (छ.ग.) को न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार दिनांक 06/11/2025 को प्रार्थी देवनारायण सांडिल्य पिता नानसाय सांडिल्य, उम्र 45 वर्ष,ग्राम बधिमा, पुलिस चौकी बरियों, थाना राजपुर जिला बलरामपुर-रा0गंज द्वारा चौकी उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी दिनांक 27/02/2023 को विश्वास ऐसो एजेन्सी अंबिकापुर से लुबी कम्पनी का सिंचाई मोटर पम्प खरीदा था जिसे अपने घर के पास कुओं में लगाकर उपयोग करता था कि दिनांक 06/11/2025 को सुबह पानी मोटर पंप चालू करने गया तो कुओं में पानी मोटर पम्प नहीं था किसी अज्ञात चोर के द्वारा दिनांक 05/11/2025 के रात में चोरी कर ले गया है एवं इसके पडोसी रामू सांडिल्य पिता बेचु सांडिल्य भी सुबह बताया कि मेरा भी पलुगा कम्पनी का मोटर पम्प को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गयें है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर बरियों चौकी

में अपराध कमांक 249/2025 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया है। विवेचना दौरान अज्ञात आरोपियों की पता साजी करते समय रात्रि में संदेही सहरू सांडिल्य उर्फ बरी, रमेश यादव ग्राम बरियों में संग्दिध हालत में मिले जिन्हें कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना नाम 01. सहरू सांडिल्य उर्फ बरी पिता तेजन राम उम्र 28 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम बधिमा चौकी बरियों, याना राजपुर जिला बलरामपुर-रा0गंज 02. रमेश यादव पिता राम केवल यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम चन्द्रमो पुलिस चौकी भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) का निवासी होना बताये ।

सिलफिली महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा संवाद

पुलिस अधिकारियों ने दिए ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के महत्वपूर्ण टिप्स

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन पर साइबर सुरक्षा संवाद कार्यक्रम के तहत् शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025 को सिलफिली महाविद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां साइबर सुरक्षा और ऑनलाईन धोखाधड़ी जोखिमों को कम के टिप्स पुलिस अधिकारियों ने बताए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के कई छात्रों द्वारा साइबर अपराध एवं बचाव संबंधी अपने प्रश्नों को रखा जिसका समाधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूरजपुर द्वारा किया गया। कई साइबर फ्राड पीड़ितों ने अपने एवं परिजनों के साथ हुए साइबर फ्राड के बारे में जानकारी शेयर किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो ने कहा कि साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को प्राथमिकता में लेते हुए जिले के शत-प्रतिशत स्कूलों-कालेजों एवं सभी ग्रामों में साइबर जन जागरूकता के आयोजन हो इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्कूल में पढ़ने वाले किसी भी छात्र से आप पूछे कि साइबर अपराध क्या है और उसके बचाव के क्या उपाय है तब आप उनके जवाब सुनकर चौंक जायेंगे आपको पता चलेगा कि पुलिस साइबर अपराध रोकने के लिए कितनी तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि लालच से दूरी बनाकर रखेंगे,सतर्कता अपनायेंगे तो साइबर फ्राड़ से दूर रहेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नेट बैकिंग से लेन-देन, सोशल मीडिया के लिए मजबूत पासवर्ड बनाने और नियमित पासवर्ड अपडेट करने, वाटसएप, टैक्स मैसेज, ईमेल में संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने, अपनी व्यक्तिगत जानकारी को ऑनलाइन साझा करने से सावधान रहना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत पुलिस से करनी चाहिए। जिले की पुलिस के द्वारा साइबर अपराध से बचाव के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर महत्वपूर्ण जानकारियों को समाहित कर ज्ञानवर्धक शॉट विडियों ''सूरजपुर जिला पुलिस'' के फेसबुक आईडी नियमित अपलोड किया जाता है जिसे देखकर अपने परिचित के लोगों से साझा कर साइबर अपराध को रोकने में सहयोग करने कहा। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव एवं सरपंच पहाड़गांव भोला सिंह ने कहा कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी,जैसे कि घर का पता, फोन नंबर, और बैंक खाते की जानकारी को ऑनलाइन साझा करने से बचना चाहिए। इस जानकारी का उपयोग साइबर अपराधियों द्वारा आपकी ऑनलाईन साइबर फ्राड के लिए किया जा सकता है। इस दौरान थाना प्रभारी जयनगर रूपेश कुंतल, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिले की मतदाता सूची में 22 वर्ष में बढ़े पौने 4 लाख मतदाता

-संवाददाता-
कोरबा,08 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
विधानसभा की चारों सीट पर मतदता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर शुरू हो गया है। बीएलओ गणना पत्रक को लेकर घर-घर पहुंच रहे हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम के आधार पर घर के प्रत्येक वोटर को गणना पत्रक दिया जा रहा है। इसे भरकर जमा करने के लिए कहा जा रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अधिकृत जानकारी देते हुए बताया गया है कि एसआईआर कोरबा जिले में 4 नवंबर से शुरू किया गया है, जो 4 दिसंबर तक चलेगा। इस अवधि में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने मतदान केन्द्र में मौजूद सभी मतदाताओं तक पहुंचेंगे। वे घर-घर जाकर गणना पत्रक देंगे। पत्रक को भरने की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। निर्धारित अवधि में वोटर गणना पत्रक को भरकर बीएलओ को वापस करेंगे। पत्रक के साथ आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज देंगे। बीएलओ भरा हुआ गणना पत्रक और दस्तावेज को बीएलओ एप पर अपलोड करेंगे। जानकारी के अनुसार कोरबा जिले की मतदाता सूची को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। आंकड़ों को खंगालने से स्पष्ट हुआ है कि वर्ष 2003 में जब आयोग की ओर से छत्तीसगढ़ में पहली बार एसआईआर किया गया था, उस समय कोरबा जिले में विधानसभा की तीन सीटें थीं। इसमें रामपुर, कटघोरा और पाली-तानाखार थीं। 2003 की एसआईआर में विधानसभा की तीनों सीट पर तीन लाख 60 हजार 743 मतदाता थे। इसमें सबसे अधिक दो लाख 76 हजार 074 कटघोरा विधानसभा क्षेत्र में थे। पाली-तानाखार विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 65 हजार 839 मतदाता के नाम आयोग की सूची में शामिल किए गए थे। 2003 में सबसे कम वोटर रामपुर विधानसभा क्षेत्र में थे। विधानसभा सीट रामपुर की मतदाता सूची में एक लाख 48 हजार 622 वोटर के नाम शामिल थे। वर्ष 2003 से 2025 तक यानी 22 साल की अवधि में कोरबा जिले में वोटरों की संया काफी तेजी से बढ़ी है। अधिकृत जानकारी देते हुए बताया गया हैं की वर्ष 2025 में मतदाता सूची में जिले के मतदाताओं की संख्या बढ़कर 9 लाख 51 हजार 278 हो गई। यानी 22 साल में कोरबा जिले की चार विधानसभा सीटों पर तीन लाख 60 हजार 743 वोटर बढ़ गए। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में आयोग की पैनी नजर इन्हीं वोटर पर है। एसआईआर अवधि में इन मतदातों को आयोग की ओर से निर्धारित किए गए 12 में से एक दस्तावेज देने होंगे। इसमें आधार कार्ड शामिल नहीं है। उक्त दस्तावेज नहीं देने पर वोटर को आयोग की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा। दस्तावेज पेश नहीं करने पर नाम को सूची से हटा दिया जाएगा। हालांकि जिन मतदाताओं के नाम 2003 और 2025 की मतदाता सूची में हैं, उन्हें कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी।

जिले में दो उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य प्रगति पर...

लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ द्वारा मई-जून 2026 तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य

-संवाददाता-
एमसीबी,08 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
लोक निर्माण विभाग,सेतु निर्माण उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में दो महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इन पुलों के निर्माण से जिले के ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुविधा में व्यापक सुधार होगा तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

बरने नदी पर उच्चस्तरीय पुल (बिछिया टोला-कोतमा मार्ग)

बिछिया टोला से कोतमा मार्ग पर बरने नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिए 453.02 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। पुल की कुल लंबाई 176 मीटर (08 स्पान, प्रत्येक 22 मीटर) है। वर्तमान में स्लैब ढलाई का कार्य प्रगतिरत है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह कार्य मई 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पुल के पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बरसात के दौरान नदी पार करने में आने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी तथा कृषि उपज के परिवहन में सुविधा होगी।

हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल (कौडीमार-पैनारी मार्ग)

जिला मनेंद्रगढ़ में कौडीमारदृपैनारी मार्ग पर हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुँच मार्ग निर्माण कार्य ?1303.81 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति के अंतर्गत स्वीकृत है। पुल की लंबाई 192 मीटर (08 स्पान, प्रत्येक 24 मीटर) है। निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति के अनुसार 1 एबटमेंट पूर्ण, 1 एबटमेंट प्रगति पर, 1 पीयर पूर्ण तथा 6 पीयर प्रगति पर हैं। यह कार्य जून 2026 तक पूर्ण किये जाने की संभावना है।

गुणवत्ता एवं समय सीमा पर विशेष ध्यान

विभागीय अधिकारियों द्वारा बताया गया कि दोनों परियोजनाओं में कार्य गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन किया जा रहा है। निर्माण कार्य को नियमित निगरानी की जा रही है ताकि निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण किया जा सके। इन पुलों के निर्माण से जिले के ग्रामीण अंचलों में सड़क संपर्क सुदृढ़ होगा,जिससे शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों में सुगमता आएगी।

फ्लाई एश और यातायात व्यवस्था पर स्थायी समाधान की दिशा में कलेक्टर कार्यालय में हुई विस्तृत चर्चा

-संवाददाता-
कोरबा,08 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर में विचाराधीन प्रकरण एवं पारित आदेश दिनांक 29 अक्टूबर 2025 के अनुपालन में कलेक्टर कार्यालय के नवीन सभाकक्ष में फ्लाई एश,कोयले के परिवहन,निपटान,यातायात अवरोध तथा सड़क रख-रखाव से संबंधित समस्याओं के स्थायी एवं क्रियान्वयन योग्य समाधान हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी कलेक्टर आशुतोष पांडेय एवं अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, पुलिस विभाग, पर्यावरण संरक्षण मंडल, परिवहन विभाग सहित एसईसीएल,बालको, अडानी एवं एनटीपीसी जैसे औद्योगिक उपक्रमों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रभारी कलेक्टर एवं निगमायुक्त श्री पांडेय ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं उपक्रम प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए फ्लाई एश परिवहन, सड़क मरम्मत,पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात सुगमता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संस्था अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन तत्परता से करे,जिससे क्षेत्रवासियों को सुगम यातायात की सुविधा मिल सके और पर्यावरण प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि गौ-माता चौक एवं रिसदी चौक के आसपास सड़क मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। बालको प्रबंधन द्वारा बताया गया कि बजरंग चौक से परसाभाठा चौक तक सड़क रिपेयरिंग कार्य जारी है तथा दर्री ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक तक टू-लेन सड़क निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ है। अडानी प्रबंधन ने बताया कि मुख्य द्वार से भीतर की ओर पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है, जिससे धूल नियंत्रण और यातायात सुचारू बनाया जा सके। एसईसीएल को राख परिवहन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस विभाग ने यातायात नियंत्रण हेतु आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए,वहीं एनटीपीसी को भी यातायात सुधार एवं पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों एवं उपक्रमों के संयुक्त प्रयासों से ही सड़क रखरखाव,परिवहन नियंत्रण एवं धूल-प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए एवं प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखी जाए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर ओंकार यादव,सीएसपी भूषण एक्का, पर्यावरण संरक्षण मंडल के कार्यपालन अभियंता सोनकर, परिवहन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, नगर निगम के प्रतिनिधि एवं विभिन्न औद्योगिक उपक्रमों के अधिकारी उपस्थित थे।

आयुष चिकित्सा पद्धति से 473 रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रदान की गई औषधि

-संवाददाता-
जशपुरनगर,08 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
छ.ग. राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर पूरे प्रदेश में मनाए जा रहे राज्योत्सव के अंतर्गत जशपुर जिला मुख्यालय के रणजीता स्टेडियम में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग द्वारा जिला आयुष अधिकारी जशपुर के मार्गदर्शन में विभागीय प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाया गया।

प्रदर्शनी में आयुष विभाग द्वारा विगत 25 वर्षों में की गयी उपलब्धियां,आयुष विभाग की विभिन्न योजनाएं एवं गतिविधियां तथा आयुष संस्थाओं में उपलब्ध पंचकर्म सुविधाएं, तथा शुष्क द्रव्यों को प्रदर्शित किया गया। इसके अतिरिक्त रोगियों का आयुष चिकित्सा पद्धति से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि प्रदान किया गया। जिसके अंतर्गत आयुर्वेद पद्धति से 315 होम्योपैथी पद्धति से 158 कुल 473 रोगियों का उपचार किया गया।

आयुष विभाग द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां एवं योजना जैसे सियान जतन क्लीनिक योजना, राष्ट्रीय कार्यक्रम व्योममित्र, राष्ट्रीय कार्यक्रम एनीमिया, राष्ट्रीय कार्यक्रम कुपोषण, राष्ट्रीय कार्यक्रम ऑस्टियो आर्थराइटिस एवं मस्कुलोस्केलेटल डिसआर्डर, राष्ट्रीय कार्यक्रम आयुर्विद्या,हाट बाजार,आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट,जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर एवं विभिन्न उपलब्धियां की जानकारी दी गयी। विभाग की ओर से आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक सम्बन्धित ब्रोशर जैसे प्रचार प्रसार सामग्री का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष संस्थाओं में किये जा रहे पंचकर्म सुविधाएं जैसे कटिवस्ति, नस्य,सर्वांग स्वेद, शिरोधारा का लाईव डिमांसट्रेशन किया गया। जिसे माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीश्याम बिहारी जायसवाल जी के द्वारा स्टाल का निरीक्षण के दौरान अत्यन्त सराहना दिया गया। राज्योत्सव में आयुष विभाग द्वारा लगाये प्रदर्शनी के कार्यसंपादन के प्रभारी डा. एल.आर. भगत आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, सहायक प्रभारी डॉ. हरिकृष्ण श्रीवास आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डा. दीपक एक्का विशेषज्ञ चिकित्सक,डा. शशि भूषण सिंह होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी, डा. निकिता मिंज, डा. ऋतम्भरा प्रज्ञा पैंकरा,डॉ. पूजा भगत, डॉ. रंजीत गुरू, डॉ. कपिल श्रीवास्तव, डॉ. अक्षय साहू, शरद साहू, सुशील भगत इत्यादि अधिकारी एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ऑनलाइन मतदाता फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया में सावधानी आवश्यक,ई-हस्ताक्षर हुआ अनिवार्य

-संवाददाता-
एमसीबी,08 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।
मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा अन्य अपडेट के लिए ऑनलाइन फॉर्म जमा करने वाले नागरिकों को चुनाव आयोग की ओर से महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन फॉर्म केवल वही मतदाता स्वयं भर सकते हैं, क्योंकि यह प्रक्रिया ई-हस्ताक्षर आधारित है। जानकारी के अनुसार, मतदाता पहचान पत्र (2025) एवं आधार कार्ड में दर्ज नाम पूरी तरह समान होना आवश्यक है। ई-हस्ताक्षर की सुविधा का उपयोग करने के लिए दोनों दस्तावेजों में नाम की समानता अनिवार्य रखी गई है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि मतदाता का मोबाइल नंबर उसके मतदाता पहचान पत्र से लिंक हो। जिसका मोबाइल नंबर लिंक नहीं है,उन्हें पहले फॉर्म 8 भरकर अपना नंबर लिंक कराना होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि फॉर्म 8 भी केवल ई-हस्ताक्षर के माध्यम से ही जमा किया जा सकेगा। वे मतदाता जो इन शर्तों को पूरा नहीं करते, उनके लिए ऑफलाइन प्रक्रिया उपलब्ध रहेगी। ऐसे नागरिक अपने संबंधित क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से फॉर्म जमा कर सकते हैं। आयोग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे ऑनलाइन आवेदन से पहले आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी और मोबाइल लिंकिंग की स्थिति अवश्य जांच लें, ताकि फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या न आए। ऑनलाइन फॉर्म जमा करने के लिए पोर्टल लिंक मतदाता ऑनलाइन आवेदन एवं ई-हस्ताक्षर प्रक्रिया के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जा सकते हैं- https://voters.eci. gov.in

न्यायालय लिक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

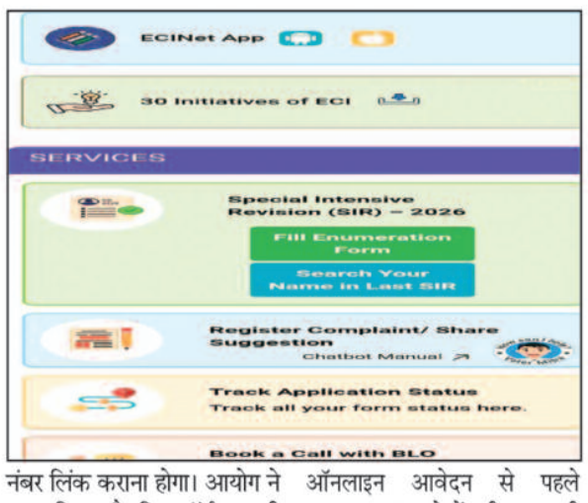

रा.प्र.क्र. अ-121/2024-2025

ईश्तहार

ग्राम चन्दरपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका शिव प्रसाद पिता बृजलाल जाति गोंड निवासी ग्राम चन्दरपुर लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदक/आवेदिका अपने पिता स्व. बृजलाल का विलम्ब मृत्यु प्रमाण-पत्र/पंजीयन कराने बाबत अनुलब्धता प्रमाण-पत्र अन्य सहायक दस्तावेत के साथ न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 07.08.2002

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 13-11-2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 30-10-2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार
देवनगर, जिला-सूजरपुर

CMYK

विकास बनाम कमीशन, जनप्रतिनिधि बनाम अधिकारी

जनपद पंचायत बैकुंठपुर में हिस्सेदारी की जंग

ग्राम विकास नहीं, कमीशन विकासः जनपद बैकुंठपुर की लड़ाई असल चेहरा सामने लाती है...

विकास बनाम कमीशन,जन-प्रतिनिधि,अधिकारी कर्मचारी सभी हिस्सेदारी के लिए आमने सामने,मामला जनपद पंचायत बैकुंठपुर का...

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,सदस्य सरपंच अपने हिस्से के लिए लामबंद,अधिकारी कर्मचारी अपने हिस्से के लिए एकजुट...

जिलाधीश कोरिया के समक्ष दोनों ने की शिकायत,शिकायत का मजनून अलग, शिकायत के पीछे की वजह कमीशन की हिस्सेदारीः सूत्र

अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, सरपंच ने सीईओ की शिकायत की,सीईओ सहित कर्मचारियों ने जनप्रतिनिधियों की शिकायत की...

क्या त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था में कमीशन ही निर्वाचित होने पदस्थ होने मुख्य उद्देश्य,ग्राम विकास मंशा नहीं?

कलेक्टर कोरिया के समक्ष दोनों पक्ष पहुँचे शिकायत लेकर,लेकिन शिकायत का मूल कारण 'कमीशन बंटवारा' बताया जा रहा है...

-रवि सिंह-

कोरिया,08 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जनपद पंचायत बैकुंठपुर में एक बार फिर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है,बाहर से देखने पर यह मामला प्रशासनिक मतभेद और कार्यप्रणाली पर असहमति का लगता है, लेकिन सूत्रों के अनुसार असली विवाद निर्माण कार्यों के कमीशन बंटवारे को लेकर है,स्थिति यह है कि जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,सदस्य और सरपंच,एक ओर खड़े हैं, जबकि दूसरी ओर जनपद सीईओ सहित कर्मचारी लामबंद हैं,दोनों पक्षों ने जिलाधीश कोरिया के समक्ष एक-दूसरे के खिलाफ लिखित शिकायतें प्रस्तुत की हैं,जनपद पंचायत बैकुंठपुर में जिस तरह जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी दो गुटों में आमने-सामने खड़े हैं, वह किसी एक कार्यालय का विवाद नहीं,बल्कि त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के खोखले हो चुके चरित्र का खुला प्रदर्शन है, यह लड़ाई योजनाओं को बेहतर बनाने या गाँवों के विकास की दिशा तय करने को लेकर नहीं है, यह लड़ाई है 'कौन कितना कमीशन खाएगा' इसकी हिस्सेदारी की,और यदि यही त्रिस्तरीय शासन का असली चेहरा है तो यह लोकतंत्र का अपमान है। बता दे की कोरिया जिले के जिला मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय बैकुंठपुर में फिर एक बार जनप्रतिनिधियों की अधिकारी और कर्मचारियों से रार ठनी हुई नजर आ रही है और यह रार जो बड़ी तकरार बनने जा रही है वह अपनी अपनी हिस्सेदारी वह भी निर्माण कार्यों के कमीशन की हिस्सेदारी है के लिए ठनी हुई बताई जा रही है जिसके कारण अब शिकायतों का दौर जारी है और जनप्रतिनिधि एक तरफ अधिकारी कर्मचारी एक तरफ इस तकरार में खड़े नजर आ रहे हैं, इस रार तकरार की सुगबुगाह कई महीनों से सुनाई दे रही थी जो अब धधक चुकी है और इसकी शुरुआत शिकायतों से हुई है जिसमें यह देखने को मिला कि एक तरफ जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर कोरिया से सीईओ की शिकायत की है वहीं दूसरी तरफ सीईओ ने कर्मचारियों के हस्ताक्षर सहित एक शिकायत पत्र प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होंने जनप्रतिनिधियों की शिकायत की है, वैसे सूत्रों का दावा है कि लड़ाई साफ साफ सीधे सीधे कमीशन वाली है अधिकारी कर्मचारी अपने कमीशन पर अडिग हैं वहीं जनप्रतिनिधियों को कमीशन नहीं मिल रहा है और यह आग इसीलिए धधक रही है, वैसे जनपद पंचायत बैकुंठपुर की हालिया लड़ाई जो जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी एवं कर्मचारियों के बीच छिड़ी है वह पंचायतों सहित ग्राम जनों के विकास के लिए जारी लड़ाई या संघर्ष नहीं है वह सभी के लिए अपने विकास उद्देश्य से जारी लड़ाई है और जो यह बतलाती है कि आज एक तरफ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की एकमात्र मंशा खुद का विकास है वहीं अधिकारियों और कर्मचारियों का भी पेट वेतन से नहीं भर रहा है उन्हें भी इसके अलावा पैसे की जरूरत है जो कमीशन से मिलना संभव है।

इतिहास खुद को दोहरा रहा है...

बैकुंठपुर जनपद में यह स्थिति नई नहीं है,कांग्रेस शासनकाल में भी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनाम सीईओ विवाद सड़क तक आ चुका है, तब भी विधायक मौन थीं, आज सत्ता बदल चुकी है,चेहरे बदल गए हैं पर परिस्थिति वही है,इस बार भी अध्यक्ष-कांग्रेस समर्थित और उपाध्यक्ष-भाजपा समर्थित हैं, लेकिन दोनों सीईओ के खिलाफ एकजुट हैं, अब देखना यह है कि विधायक किसके साथ खड़े होते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं।

त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था क्यों विफल जैसी प्रतीत हो रही है?

यह व्यवस्था इसलिए बनी थी कि गाँवों का विकास गाँव के प्रतिनिधियों के हाथ में रहे, पर हुआ इसका उल्टा, अधिकारी ही दोनों व्यवस्था (पंचायत,नगरी निकाय) पर नियंत्रण बनाए बैठे हैं, निर्वाचित जनप्रतिनिधि सिर्फ आधिकारिक समारोहों तक सीमित होकर रह गए हैं,यही कारण है कि टकराव अब लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

बड़ा सवाल...?

यदि अधिकारी केवल विधायकों को ही जनप्रतिनिधि मानते हैं,और पंचायत/जनपद/जिला पंचायत/नगर निकाय के प्रतिनिधियों की सुनवाई ही नहीं होती, तो फिर इन पदों के लिए चुनाव कराने का औचित्य क्या है? सिर्फ दिखावे के लिए लोकतंत्र या वास्तविक सत्ता का केंद्रीकरण?

अंतिम बात सीधे शब्दों में...

जब तक ग्राम विकास की राशि को जनता के विकास की बजाय नेताओं-अधिकारियों के पेट की आग बुझाने का साधन माना जाएगा, तब तक गाँव वैसे ही रहेंगे अधूरे,उपेक्षित,टूटे हुए,और सत्ता किसके हाथ में रहे। विकास का नारा हमेशा एक धोखा ही साबित होगा। यह विवाद केवल बैकुंठपुर का नहीं यह पूरी त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली की मूल कमजोरियों को उजागर करता है। जब तक-अधिकारों की स्पष्टता नहीं होगी, पारदर्शी बजट प्रक्रिया नहीं होगी और कमीशन संस्कृति खत्म नहीं होगी, तब तक गाँव का विकास फाइलों और बैठकों तक ही सीमित रहेगा।

कांग्रेस शासनकाल से शुरू हुई परंपरा भाजपा शासनकाल में भी जारी

कांग्रेस शासनकाल से ही ऐसा देखने को मिला है कि त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अंतर्गत निर्वाचित जनप्रतिनिधि और नगरीय निकाय अंतर्गत निर्वाचित जनप्रतिनिधि अधिकार विहीन हैं,तब से जारी आपसी टकराव जो अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच जारी है वह अनवरत जारी है, कांग्रेस शासनकाल में भी यह देखने को मिला था कि बैकुंठपुर जनपद कार्यालय में जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी में नहीं जमती थी टकराव कायम था वहीं आज भाजपा शासनकाल में भी वैसी ही पुनरावृत्ति देखने को मिल रही है और टकराव आपसी अब सड़क पर आना बाकी है, कांग्रेस शासनकाल में भी मामला सड़क पर आया था कारण आज जैसा ही है तब भी विधायक तत्कालीन मौन थीं अन्य जनप्रतिनिधि मौन थे आज भी त्रिस्तरीय पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि और नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधि परेशान हैं और विधायक मौन हैं।

सभी विभागों के लिए विधायक व मंत्री ही जनप्रतिनिधि?

लगातार यह देखने को मिल रहा है कि अधिकारी केवल विधायकों के प्रति ही जिम्मेदार नजर आ रहे हैं या उन्हीं का आदेश निर्देश मान रहे हैं,अन्य जनप्रतिनिधि जैसे त्रिस्तरीय पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बात हो या नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बात हो इनका अधिकारी कम ही या नहीं ही सुनते नजर आ रहे हैं,अब ऐसे में सवाल यह उठता है क्या केवल विधायक ही अधिकारियों की नजर में जनप्रतिनिधि हैं अन्य की आधिकारियों की नजर में कोई वक्त नहीं है।

पंचायत,जनपद, जिला पंचायत व नगरीय निकाय के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों कि यदि नहीं है सुनवाई फिर इनका चुनाव ही क्यों नहीं कर दिया जाता है बंद?

आज विधायक ही अधिकारियों की नजर में केवल जनप्रतिनिधि हैं,जिला पंचायत,जनपद पंचायत,पंचायत सहित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों को अधिकारी कुछ नहीं समझते क्योंकि सरकार ने ऐसी व्यवस्था बना दी है कि अब अन्य को कोई अधिकार या कोई स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है,अब यदि केवल विधायक ही अधिकारियों की नजर में केवल जनप्रतिनिधि हैं तो अन्य के लिए निर्वाचन बंद क्यों नहीं देती सरकार यह बड़ा सवाल है।

किसकी शिकायत किसके विरुद्ध? अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं कुछ जनप्रतिनिधियों ने...

सीईओ पर अनियमितता और मनमानी का आरोप लगाया है,सीईओ सहित कर्मचारियों ने–जनप्रतिनिधियों पर कार्यों में हस्तक्षेप और दबाव डालने का आरोप लगाया है,लेकिन सूत्र साफ कहते हैं,मामले का मजनून अलग है। विवाद का मूल कारण कमीशन की हिस्सेदारी है।

यह विकास की लड़ाई नहीं, 'स्व-विकास' की लड़ाई

इस पूरे घटनाक्रम में ग्राम विकास कहीं नहीं दिखता, न जनपद के योजनाओं की पारदर्शिता की चिंता,न ग्रामीण जनता की समस्याओं पर कोई चर्चा,यह साफ नजर आता है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं,अधिकारी-कर्मचारी अपनी पुरानी हिस्सेदारी से पीछे हटना नहीं चाहते, जब तक हिस्सा तय नहीं, संघर्ष जारी रहने के आसार मानें जा रहे हैं।

ऐसी लड़ाई एकबार पहले भी देखने को मिली थी जब सरकार कांग्रेस की थी...

बैकुंठपुर जनपद पंचायत कार्यालय में ऐसी लड़ाई एकबार पहले भी देखने को मिली थी जब सरकार कांग्रेस की थी और तब अध्यक्ष भाजपा समर्थित थीं और उपाध्यक्ष कांग्रेस समर्थित,आज स्थिति उसके उलट है और अध्यक्ष कांग्रेस समर्थित हैं और उपाध्यक्ष भाजपा समर्थक,तब भी अध्यक्ष उपाध्यक्ष एक बार एक सीईओ के खिलाफ लामबंद हुए थे जिसमें तब पक्ष विपक्ष एकजुट होकर आंदोलनरत हुआ था जिसमें तब विधायक ने साथ अधिकारी का दिया था फिर भी आंदोलन उपरांत विधायक की मंशा के विपरीत जाकर सीईओ को हटाया गया था और आज भी स्थिति वैसी ही बनती नजर आ रही है सीईओ के विरुद्ध अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों हैं बस विधायक किसके साथ हैं यह इस बार अब तक स्पष्ट नहीं है,वैसे जनपद पंचायत कार्यालय सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का कार्य करता है और यदि वहां ही आपसी सामंजस्य कायम नहीं है यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकार की योजनाएं धरातल तक नहीं पहुंच सकेंगी और त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था का उद्देश्य अपूर्ण रह जाएगा,जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी एवं कर्मचारियों की आपसी लड़ाई का अंजाम क्या होगा यह तो पता नहीं लेकिन माना जा रहा है कि जब तक आपस का कमीशन बंटवारा तय नहीं हो जाता यह लड़ाई खत्म नहीं होगी यह जारी रहेगी, वैसे मामले को लेकर एक अन्य स्थिति पर भी चर्चा आवश्यक है जो त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था और नगरीय निकायों की व्यवस्था के विषय में है जहां यह देखने को मिल रहा है कि अधिकारियों की ही दोनों ही जगहों पर चलती है और दोनों ही जगहों में निर्वाचित जनप्रतिनिधि आज हाशिए पर हैं उन्हें अधिकार स्वरूप कोई भी ऐसी सुविधा नहीं है जिसके कारण अधिकारी उनकी सुने और यह भी एक कारण है कि आज दोनों ही जगहों पर आपसी टकराव सामने है।

CMYK

हुमा कुरैशी बोलीं...रानी भारती वो रोल है जिसने मेरी जिंदगी बदली,मेरे लिए कोई नहीं बना रहा बड़े बजट की फिल्में

हुमा कुरैशी हिंदी सिनेमा का एक मजबूत हस्ताक्षर हैं। अपनी अदायगी की चमक उन्होंने पहली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में ही बिखेर दी थी। फिर ओटीटी पर महारानी बनकर दमखम दिखाया। इस शो का चौथा सीजन जल्द आ रहा है। इसके बावजूद,हुमा कहती हैं कि उन्हें वे बड़े या बेहतर मौके नहीं मिलते जो उनकी प्रतिभा के साथ न्याय कर सकें। इसलिए,वह खुद निर्माता बनकर अपने मन की कहानियां सुनाने भी निकल पड़ी हैं।

इस साल आपने अभिनय से एक कदम आगे बढ़ाते हुए फिल्म प्रॉडक्शन में भी कदम रखा,निर्माता बनने का ख्याल कैसे आया?

निर्माता बनने का ख्याल ऐसे आया कि ये इंडस्ट्री बहुत सारे मौके आपको देती नहीं है। मैंने इतना सारा काम कर लिया, फिर भी मुझे अब भी बहुत जगहों पर रोक दिया जाता है या मेरे पास वें फिल्में नहीं आतीं। आप मेरी फिल्मोग्राफी देख लो,मैंने उन फिल्मों से प्यार पाया है जो शायद कोई और नहीं करना चाहता था। ऐसा नहीं है कि मुझे बेस्ट मौके मिल रहे हैं या मेरे लिए कोई बहुत बड़े बजट की फिल्में बन रही हैं। मुझे जो मौका मिलता है, मैं उसमें छक्का मारती हूं,लेकिन यह बहुत फ्रस्ट्रेटिंग होता है कि आपको लगता है कि मैं कर सकती हूं मगर सामने वाला आपको वो मौके देगा नहीं तो घर बैठकर आप थोड़ी ऐक्टिंग दिखाओगे। इसलिए,मैंने सोचा कि इसे लेकर रोने-पीटने से बेहतर है कि अपनी किस्मत अपने हाथ में लो और जो हम चाहते हैं, वे फिल्में बनाएं तो मैंने और साकिब (ऐक्टर भाई साकिब सलीम) ने मिलकर यह कंपनी शुरू की है। हम फिल्में बनाते जाएंगे और हर फिल्म से कुछ सीखेंगे।

इन दिनों इंस्टाग्राम के एलगोरिदम के आधार पर भी फिल्में बनने लगी हैं,बतौर क्रिएटिव इंसान ऐसी चीजें परेशान करती हैं?

एल्गोरिदम से फिल्में नहीं बननी चाहिए। ये कोई एक्सेल शीट नहीं है कि दो और दो जोड़कर चार कर दिया। यह क्रिएटिव प्रॉसेस है, यहां कौन सी चीज कैसे बनेगी,आप नहीं बता सकते। इसलिए, फिल्म मेकिंग में यह गुणा-गणित लगाना बेवकूफी है। आप देखो,जब ओटीटी का गोल्डन पीरियड था,उसमें से महारानी समेत कुछ ही शो के सीजन दर सीजन आ रहे हैं। वरना पिछले साल के ब्रेक आउट शोज, कहानियां और नए टैलंट कौन से हैं? एक ठहराव आ गया है क्योंकि अभी एलगोरिदम पर बड़ा जोर हो गया है और उससे चीजें नहीं बनती है। कोई चीज हिट हो जाए तो आप उसकी सौ वजहें गिना सकते हैं,पर वजहें गिनकर आप फिल्म बनाओ तो आपसे बड़ा बेवकूफ कोई नहीं है। आज हेट वॉचिंग और क्रिंज वॉचिंग पर लोग पार्टियां दे रहे हैं और मुझे ये चीज समझ नहीं आ रही कि भई इस पर आप कैसे खुशी मना सकते हैं कि आपको पता है कि आपका शो अच्छा नहीं है। लोग गालियां दे रहे हैं लेकिन लोग देख रहे हैं तो आप उसे सेलिब्रेट कर रहे हैं। फिर तो आप कुछ भी बकवास बना दो, आपका मकसद क्या है बनाने का, वो तो पता होना चाहिए।

आप यश के साथ साउथ की फिल्म टॉक्सिक भी कर रही हैं, आपके हिसाब से साउथ के मेकर्स क्या सही र रहे हैं, जो बॉलीवुड को सीखना चाहिए?

वे अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियां बना रहे हैं। अपने लोगों की कहानियां बना रहे हैं। वे पश्चिम से प्रभावित होकर उनके जैसा सिनेमा नहीं बना रहे हैं। जबकि, हमारे यहां सबकुछ है पर हमारी ऑडियंस कौन है, वो हमें पता नहीं है।

आपकी लेटेस्ट फिल्म सिंगल सलमा लड़कियों पर शादी के दबाव को दिखाती है। कभी आपको किसी ने शादी को लेकर ऐसी सलाह दी कि उम्र निकल रही है?

पर्सनल तौर पर तो याद नहीं, मगर हमारे समाज में लड़कियों पर शादी का दबाव होता ही है। 25 के बाद शादी कब होगी,ये बहुत बड़ा मसला होता है कि भई शादी की उम्र हो गई। जैसे आप कोई दूध का डब्बा या फल हो कि जल्दी नहीं बिका तो बासी हो जाएगा और फेंकना पड़ेगा। हमें लड़कियों को एक बोझ,एक सामान की तरह ट्रीट करना बंद करना चाहिए। शादी किसी दबाव में नहीं होना चाहिए।

वर्वा तेज है कि आप खुद भी अपना सिंगल स्टेटस छोड़कर जल्द मिंगल होने वाली हैं?

आपने सिंगल और मिंगल को बड़ी खूबी से मिलाया है, मगर मैं अपनी प्राइवेट जिंदगी के बारे में जवाब देना नहीं चाहूंगी। वह मेरी निजी जिंदगी है, तो उसे प्राइवेट और पर्सनल रहने देते हैं।

वेब सीरीज डेल्ही क्राइम 3 में आप बड़ी दीदी का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं,वह नेगेटिविटी खुद में लाना कितना मुश्किल था?

बहुत ही ज्यादा मुश्किल था। एक तो मैं पहली बार नेगेटिव करैक्टर निभा रही हूं। उस पर यह बहुत ही ज्यादा नेगेटिव किरदार है। वह बहुत ही बुरी है,तो इसे करते हुए मेरे अंदर काफी अंतरद्वंद रहा, क्योंकि मैं गर्ल एंपावरमेंट में यकीन करती हूं और यह गर्ल ट्रैफिकिंग का मुद्दा है लेकिन मैंने कहीं पढ़ा था कि कुछ चीजें सोसायटी में एग्जिस्ट करती हैं और एक कलाकार के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस पर रोशनी डालें,तो हुमा कुरैशी के यह किरदार निभाने से अगर यह मुद्दा या शो बड़ा बनता है और उस पर चर्चा होती है तो खुशी-खुशी करना चाहूंगी।

मलंगानी,तरला,डबल एक्सेल या हाल ही में आई सिंगल सलमा,आपके ये सभी प्रॉजेक्ट लड़कियों से जुड़े अहम मुद्दे उठाते हैं...

(बीच में) मैं हिंदुस्तान की लड़कियों, औरतों, महिलाओं के लिए ही कहानी बना रही हूं। मैं एक ऑल गर्ल सुपरस्टार बनना चाहती हूं। ये मेरा सपना है। मैं हमारी (लड़कियों की) कहानियां, हमारी दिक्कतें, हमारी चीजों को लेकर कहानियां बनाना चाहती हूं जो बाकी लोग नहीं बना रहे हैं।

आप पिछले 5 सालों से रानी भारती को लगातार जी रही हैं। इस शो का आपने जीवन और करियर में क्या योगदान मानती हैं?

रानी भारती वह रोल है जिसने मेरी जिंदगी बदली है। जितना प्यार मुझे रानी भारती के लिए मिला है, बहुत कम ऐक्टर वो प्यार और सक्सेस देख पाते हैं। इसका चौथा सीजन आ रहा है, जो अपने में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि जब हमने 2021 में शुरुआत की थी, तब ज्यादा लोगों ने हम पर भरोसा नहीं किया था। व्यक्तिगत तौर पर भी रानी भारती की वजह से मैं ज्यादा मजबूत और वोकल हुई हूं।

यामी गौतम की हक ने छुड़ाया सोनाक्षी सिन्हा की जटाधरा का पसीना,द गर्लफ्रेंड भी पीछे

बीते 7 नवंबर सिनेमाघरों में 3 फिल्मों की टक्कर हुई। एक ओर यामी गौतम अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म हक लेकर दर्शकों के बीच हाजिर हुईं तो दूसरी ओर सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म जटाधरा पर्दे पर आई। उधर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड ने भी इसी दिन सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया। बॉक्स ऑफिस पर हुए इस महामुकाबले में पहले दिन यामी की हक ने बाजी मार ली है।

हक ने पहले दिन कमाए इतने करोड़

बॉक्स ऑफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, हक ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 1.65 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस फिल्म को बनाने में निर्माताओं ने 20 से 25 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इस हिसाब से फिल्म ने धीमी शुरुआत की है। हालांकि, वीकेंड में इसकी कमाई में रफ्तार बढ़ सकती है। वैसे यामी और इमरान हाशमी की जोड़ी से सजी इस फिल्म की समीक्षकों ने खासतौर से खूब तारीफ की है।

हक की कहानी जानिए

सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म हक शाह बानो बेगम के जीवन और उनके कानूनी संघर्ष से प्रेरित है। साल 1985 में उनके ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार देने का फैसला सुनाया था। फिल्म उसी मामले के इर्द-गिर्द घूमती है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने शाह बानो की बेटी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

जटाधरा तो पहले ही दिन हुई पस्त

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म जटाधरा को समीक्षकों से बेकार प्रतिक्रिया मिली। खासकर अभिनेत्री के अभिनय का खूब मजाक उड़ाया गया। शायद यही वजह है कि फिल्म ने पहले ही दिन टिकट खिड़की पर दम तोड़ दिया है। फिल्म ने महज 90 लाख रुपये कमाए हैं। वेंकट कल्याण के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर के काम की खासी तारीफ हुई है। यामी की हक ने भी इस फिल्म की कमाई पर असर डाला है।

द गर्लफ्रेंड ने कितने कमाए

रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी की फिल्म द गर्लफ्रेंड की कहानी को दर्शकों ने कमजोर बताया है। इस फिल्म ने डेढ़ करोड रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला है। कमाई के मामले में द गर्लफ्रेंड भले ही हक से बहुत पीछे नहीं रही हो, लेकिन कुल मिलाकर दर्शकों और समीक्षकों का दिल यामी की फिल्म ने ही जीता है। हक को न सिर्फ बेहतरीन रिव्यू मिले हैं, बल्कि वर्ड ऑफ माउथ भी इसके पक्ष में गया है।

गुस्से और डर को काबू में रखने थेरेपी ले रही हैं शहनाज गिल

हाल ही में 'बिग बॉस 13' से घर-घर में पहचान बनाने वाली शहनाज गिल ने अपने दिल की बात कही। एक्ट्रेस शहनाज ने खुलासा किया कि वह अपने गुस्से और डर को काबू में रखने के लिए थेरेपी ले रही हैं। उन्होंने कहा,मेरे पास सब कुछ है नाम, शोहरत,पैसा, लेकिन मन में शांति नहीं है। इस स्वीकारोक्ति ने यह दिखा दिया कि ग्लैमर की चमक के पीछे भी गहरी भावनात्मक चुनौतियां छिपी होती हैं। अपनी नई पंजाबी फिल्म 'इक्क कुड़ी'के प्रमोशन के दौरान शहनाज ने बताया कि वह कई बार थेरेपी ले चुकी हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं अपना आपा खो देती हूं। अकेले रहना मुझे डराता है,लगता है कि मैं पागल हो जाऊंगी। शहनाज ने ईमानदारी से कहा कि जीवन में सब कुछ मिलने के बाद भी भीतर का खालीपन खत्म नहीं होता। कभी-कभी लगता है सब कुछ

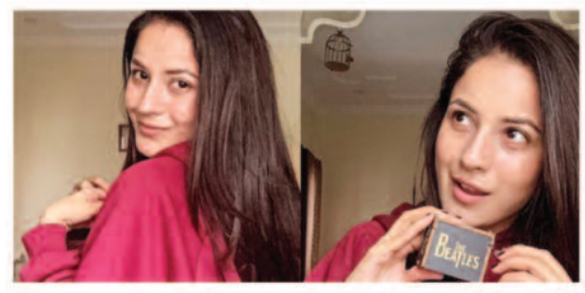

मिल गया, पर मन नहीं भरता। इंसान काम,रिश्तों और जिम्मेदारियों में इतना उलझ जाता है कि खुद को भूल जाता है, उन्होंने कहा। शहनाज गिल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं रही है। 'बिग बॉस 13' में अपनी मासूमियत और सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग ने उन्हें दर्शकों के दिलों में जगह दी। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान', पंजाबी ब्लॉकबस्टर 'हौंसला रख' और 'थैंक यू फॉर कमिंग' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अब वह अपनी नई फिल्म 'इक्क कुड़ी' में न सिर्फ मुख्य किरदार निभा रही हैं, बल्कि बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़ी हैं। यह फिल्म 31 अक्टूबर को रिलीज़ होगी। शहनाज का कहना है कि सफलता के पीछे हमेशा संघर्ष छिपा होता है। लोग सोचते हैं कि सब आसान है, लेकिन असली जंग अंदर चलती है। हर दिन खुद को संभालना पड़ता है।

वरुण धवन ने 'बॉर्डर-2' से जारी किया अपना पहला लुक

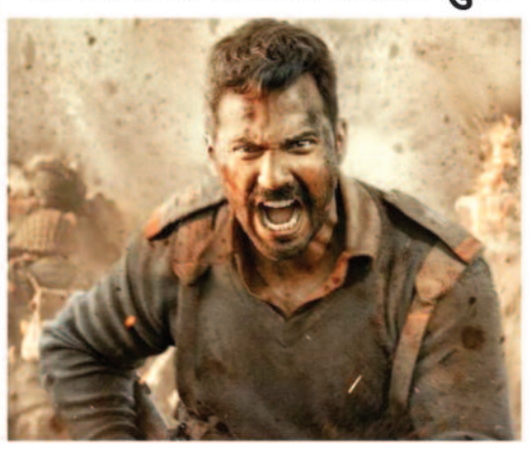

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन अब एक बार फिर एक्शन और देशभक्ति से भरपूर किरदार में नजर आने वाले हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के बाद दर्शकों का दिल जीत चुके अभिनेता ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर-2' से अपना पहला लुक जारी किया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। वरुण ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, देश के सिपाही पीवीसी होशियार सिंह दहिया,'बॉर्डर-2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज। जारी तस्वीर में वरुण धवन खून से लथपथ फौजी वर्दी में नजर आ रहे हैं। चेहरे पर दृढ़ संकल्प और आंखों में जुनून लिए, वह हाथ में बंदूक थामे युद्ध के मैदान में चिल्लाते दिखाई देते हैं। उनका यह इंटेंस लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फिल्म में वरुण मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभा रहे हैं, जो 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा थे और 1971 के भारत-पाक युद्ध में असाधारण वीरता का परिचय दिया था। युद्ध के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने कई दुश्मन सैनिकों को मार गिराया था। देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले इस वीर सैनिक को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।'बॉर्डर-2' में वरुण धवन के साथ सनी देओल और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। सनी देओल अपने पुराने किरदार मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के रूप में वापसी करेंगे,जबकि दिलजीत दोसांझ भारतीय वायुसेना के अफसर निर्मल सिंह सेखों का किरदार निभाएंगे। फिल्म में मोना सिंह, अहान शेट्टी और सोनम बाजवा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म को निधि दत्ता,भूषण कुमार,जे.पी. दत्ता और कृष्ण कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी अनुराग सिंह ने संभाली है। बताया जा रहा है कि फिल्म का टीजर पहले ही जारी किया जा चुका है और जल्द ही ट्रेलर भी रिलीज किया जाएगा।

फिल्मों में डेब्यू के लिए तब्बू को करना पडा था 8 साल का इंतजार

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू की अदाकारी का असर इतना गहरा होता है कि चाहे वह किसी भावनात्मक दृश्य में हों या किसी तीव्र एक्शन सीक्वेंस में, दर्शकों की नजरें उनसे हटती नहीं। तब्बू का फिल्मी सफर उतना आसान नहीं था, जितना कि उनके फैंस समझ रहे होंगे। उन्हें अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए पूरे आठ साल तक इंतजार करना पड़ा था। सिर्फ 10 साल की उम्र में तब्बू ने कैमरे के सामने कदम रखा। उनकी पहली फिल्म 'बाजार' थी, जिसमें उन्होंने एक छोटा सा रोल निभाया। इसके बाद देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में काम किया। अभिनय के प्रति उनका झुकाव बचपन से ही स्पष्ट था। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें पहली पहचान तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से मिली, जिसमें उन्होंने अभिनेता वेंकटेश के साथ अभिनय किया। हालांकि बॉलीवुड

में तब्बू का असली डेब्यू फिल्म 'प्रेम' से होना था, जिसकी शूटिंग साल 1987 में शुरू हुई थी। फिल्म में उनके साथ संजय कपूर मुख्य भूमिका में थे। लेकिन इस फिल्म को रिलीज होने में पूरे आठ साल लग गए और यह 1995 में थिएटर्स तक पहुंच पाई। लंबे इंतजार और तकनीकी देरी के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी, मगर इसने तब्बू के करियर की नींव मजबूत कर दी। इसी फिल्म के बाद तब्बू को धीरे-धीरे पहचान मिलने लगी। इसके बाद उन्होंने 'विरासत', 'चांदनी बार', 'हम साथ साथ हैं', 'दृश्यम', और 'दे दे प्यार दे' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा। हर फिल्म में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए कभी सरल घरेलू महिला, तो कभी सख्त पुलिस अफसर के रूप में। तब्बू की बहुमुखी प्रतिभा का ही परिणाम है कि उन्हें दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिलचस्प बात यह है कि तब्बू ने कभी अपने पिता का सरनेम या पारिवारिक पहचान का सहारा नहीं लिया। उन्होंने अपनी पहचान खुद अपने दम पर बनाई। उनकी बड़ी बहन फराह नाज भी अभिनेत्री हैं, जबकि प्रसिद्ध एक्ट्रेस शबाना आजमी उनकी बुआ हैं। बावजूद इसके, तब्बू ने हमेशा अपनी अलग राह चुनी और अपने काम से दर्शकों का दिल जीता। आज भी तब्बू का नाम आते ही दर्शकों को मजबूत और भावनात्मक किरदारों की याद आती है। उन्होंने साबित किया कि सफलता केवल जल्दी मिलने से नहीं, बल्कि धैर्य और मेहनत से हासिल होती है। 10 साल की उम्र में शुरू हुआ उनका सफर और आठ साल की देरी से मिला डेब्यू दोनों ने मिलकर उन्हें बॉलीवुड की सबसे सशक्त अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। मालूम हो कि तब्बू का जन्म 4 नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ था। उनका असली नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। जब वे केवल तीन साल की थीं, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था, और उनकी परवरिश उनकी मां ने अकेले की। मां पेशे से शिक्षिका थीं और उन्होंने तब्बू को अच्छे संस्कारों के साथ पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। तब्बू ने अपनी शुरुआती शिक्षा हैदराबाद में और उच्च शिक्षा मुंबई में पूरी की।

मेनोपॉज विषय पर समाज तोडे चुप्पी : काम्या

मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति को पतन नहीं,बल्कि सशक्तिकरण का चरण बताते हुए अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने समाज में इस विषय पर व्याप्त चुप्पी को तोड़ने की अपील की है। काम्या अपनी आगामी फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो मेनोपॉज पर आधारित भारत की पहली हिंदी फीचर फिल्म है। फिल्म के बारे में बात करते हुए काम्या ने कहा, मेनोपॉज एक शक्ति है, विराम नहीं। यह वह क्षण है जब एक महिला अपने अस्तित्व के लिए माफी मांगना बंद कर देती है और खुद को स्वीकार करना शुरू करती है। उनके ये शब्द फिल्म की मूल भावना को दर्शाते हैं,जो महिलाओं के जीवन के एक ऐसे पड़ाव को उजागर करती है, जिसे अब तक पर्दे के पीछे रखा गया था। 'मी नो पॉज मी प्ले', जिसे डिजीफिल्मिंग और मिररों फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है,का उद्देश्य समाज के सबसे पुराने टैबू मेनोपॉज पर खुलकर बात करना है। फिल्म इस प्राकृतिक प्रक्रिया को अंत नहीं बल्कि नई शुरुआत के रूप में प्रस्तुत करती है। इसमें

काम्या पंजाबी के साथ दीपशिखा नागपाल, सुधा चंद्रन, मनोज कुमार शर्मा,एमी मिसोबाह, और अमन वर्मा जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म मेनोपॉज के दौरान महिलाओं द्वारा झेले जाने वाले भावनात्मक,शारीरिक और सामाजिक परिवर्तनों को संवेदनशील तरीके से दर्शाती है। इसमें साहस,आत्म-स्वीकृति और पहचान जैसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जिन्हें बॉलीवुड में अब तक बहुत कम दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट लेखक और निर्माता मनोज कुमार शर्मा की किताब पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन समर के मुखर्जी ने किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी अकरम खान ने संभाली है। निर्देशक मुखर्जी ने इस फिल्म को अपने आप में एक आंदोलन बताया,वहीं निर्माता शर्मा के अनुसार, यह फिल्म समाज की उस चुप्पी का आईना है, जो महिलाओं के सबसे स्वाभाविक बदलावों को भी अनकहा छोड़ देती है।

काम्या पंजाबी ने आगे कहा, हमने बचपन से लेकर गर्भावस्था तक हर विषय पर खुलकर बात की है, लेकिन मेनोपॉज पर आज भी लोग असहज हो जाते हैं। अब इसे बदलने का समय आ गया है। महिलाएं इस दौर में खुद को खोती नहीं, बल्कि नए रूप में खोजती हैं। फिल्म 'मी नो पॉज मी प्ले' 28 नवंबर 2025 को रिलीज होगी।

अनुपम खेर का बड़ा धमाका,भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में गूंजेगा तन्वी द ग्रेट का नाम

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 56 वां संस्करण गोवा में 20 से 28 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा और इसमें 81 देशों की 240 से अधिक फिल्में दिखाई जाएंगी। फिल्म महोत्सव में दिखाई जाने वाली 240 से अधिक फिल्मों में से 13 फिल्में विश्व प्रीमियर,5 अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर और 44 एशियाई प्रीमियर फिल्में शामिल हैं। अब खबर है कि दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट की स्क्रीनिंग भी इस फिल्म महोत्सव में होने वाली है। खुद फिल्म के निर्देशक और अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी दी और इसे लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, शानदार खबर! हमें यह बताते हुए

बेहद गर्व और खुशी हो रही है कि हमारी फिल्म तन्वी द ग्रेट को भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 56वें संस्करण में इंडियन पैनोरमा श्रेणी में आधिकारिक रूप से चुना गया है। इस अद्भुत सम्मान के लिए हम भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। जय हो! बता दें कि तन्वी द ग्रेट को समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी।

कमजोर हथकड़ी और फुर्र हो गया बंदी,जिला अस्पताल में हड़कंप

जांजगीर-चांपा,08 नवम्बर 2025। जिला अस्पताल में आज उस वक्त हड़कंप मच गया जब बंदी वार्ड से एक बंदी हथकड़ी से हाथ निकालकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल चौकी में तैनात पुलिस स्टाफ ने बंदी की तलाश शुरू कर दी। जिला जेल और जिला अस्पताल के बयानों में विरोधाभास सामने आया है। जेलर ने कहा कि बंदी का हाथ टूटा था और आज उसका प्लास्टर लगना था,वहीं सिविल सर्जन ने बताया कि बंदी को बुखार और डायरिया की शिकायत थी। फरार बंदी की पहचान पंचराम निषाद के रूप में हुई है, जिसे नवागढ़ पुलिस ने ठगी के मामले में गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ प्रदेश के कई जिलों में ठगी के मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि पंचराम पहले भी जेल से फरार हो चुका है। सिविल सर्जन के अनुसार,जिला जेल से बंदी पंचराम निषाद को कल दोपहर डेढ़ बजे डायरिया और बुखार के कारण भर्ती कराया गया था। उसके साथ एक प्रहरी तैनात था। आज सुबह डॉक्टर ने परीक्षण के बाद दवाइयां लिखीं, जिन्हें लेने के लिए प्रहरी खुद चला गया। जब वह लौटा,तो देखा कि बंदी हथकड़ी से हाथ निकालकर फरार हो गया था। प्रहरी ने घटना की सूचना तुरंत जिला अस्पताल चौकी में दी। इसके बाद पुलिस और अस्पताल कर्मियों ने मिलकर बंदी की तलाश शुरू की। अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बंदी कैसे भागा।

कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव पर सरकारी पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाया

रायपुर,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक सरगर्मी तब बढ़ गई जब कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव पर अपने पद का दुरुपयोग कर निजी कार्यक्रम का खर्च सरकारी पैसे से कराने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री अरुण साव के भांजे तुषार साहू के तेरहवीं कार्यक्रम में करीब 90 लाख रुपए खर्च हुए, जिसका भुगतान लोक निर्माण विभाग ने किया। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में सड़कों की मरम्मत के लिए पैसे नहीं हैं, तब निजी कार्यक्रम में सरकारी राशि खर्च करना जनता के साथ धोखा है।

शहरी क्षेत्रों में बिना अनुमति के व्यापार पर प्रतिबंध,गुमटी-ठेलों सहित वाहनों से व्यापार के लिए भी लेना होगा लाइसेंस

रायपुर,08 नवम्बर 2025। राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों में बिना अनुमति किए जा रहे व्यापार पर सख्ती बरतते हुए नए नियम लागू कर दिए हैं। अब गुमटी, ठेला या वाहनों के माध्यम से व्यापार करने वाले सभी लोगों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति व्यापार करने वालों के प्रति प्रशासन कड़ा रुख अपनाएगा। नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में व्यापार करने वालों को अब अनुमतिपत्र शुल्क जमा कर लाइसेंस प्राप्त करना होगा। प्रशासन का कहना है कि यह कदम शहरी क्षेत्रों में सुव्यवस्थित व्यवसाय और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। केवल गुमटी या ठेले लगाने वाले ही नहीं, बल्कि वाहनों के माध्यम से व्यापार करने वाले विक्रेता, जैसे मोबाइल दुकानदार, फल-सब्जी या फास्ट फूड वैन संचालक को भी लाइसेंस लेना आवश्यक होगा। बिना अनुमति कारोबार करते पाए जाने पर उनका सामान जब्त किया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जाएगा।प्रशासन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। निगम अधिकारियों को ऐसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों और ठेलों की सर्वे सूची तैयार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

व्यवस्था सुधार की दिशा में कदम

छात्रों के लिए खुशखबरी! शीतकालीन अवकाश का आदेश जारी,ग्रीष्मकालीन अवकाश की भी तारीखें तय

रायपुर,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों में छुट्टियों की घोषणा कर दी है। जारी आदेश के अनुसार राज्य के शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ डी.एड., बी.एड. और एम.एड. महाविद्यालयों में त्योहारों और मौसम के अनुसार अवकाश तय किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार प्रदेशभर के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 22 दिसंबर से 27 दिसंबर 2025 तक रहेगा। विद्यार्थियों को इस दौरान कुल 6 दिन का अवकाश मिलेगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से 15 जून 2026 तक रहेगा।

किसान से करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला

विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ एफआईआर दर्ज सहकारी बैंक का मैनेजर रहते फ्रॉड करने का है आरोप...

जांजगीर-चांपा,08 नवम्बर 2025। जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ किसान से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। बिलासपुर हाईकोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए पुलिस अधीक्षक विजय पाण्डेय ने इस मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया है।

यह मामला चांपा थाना क्षेत्र का है, जहां विधायक बालेश्वर साहू के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 34 आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक ने एससीपी योगिता बाली खापर्डे, जांजगीर थाना प्रभारी निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय और उप निरीक्षक उमेंद्र मिश्रा को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। जांच टीम तय सीमा में प्रकरण का निराकरण कर न्यायालय में अभियोग पत्र पेश करेगी। एफआईआर में आरोप है कि विधायक बालेश्वर साहू ने अपने सहकारी बैंक बम्हनीडीह में मैनेजर रहते हुए 2015 से 2020 के बीच किसान राजकुमार शर्मा से 42.78 लाख रुपये की ठगी की। राजकुमार शर्मा का आरोप है कि बालेश्वर साहू ने अपने अधीनस्थ गौतम राठौर के साथ मिलकर किसान क्रेडिट कार्ड के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और लोन की राशि निकाल ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में फर्जी दस्तावेज और बैंक लेन-देन के सबूत जुटाए जा रहे हैं। जांच टीम हाईकोर्ट के निर्देश के तहत जल्द से जल्द मामले का निष्पादन सुनिश्चित करेगी। आरोपी विधायक के खिलाफ सभी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच अधिकारियों ने कहा कि यह मामला न केवल किसान हितों के लिए संवेदनशील है, बल्कि सरकारी और बैंकिंग प्रणाली में विश्वास बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।यह टीम फर्जीवाड़ा और लोन प्रक्रिया की हर जानकारी को दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड के आधार पर सत्यापित करेगी।

राजकुमार शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने बैंक में जमा राशि और लोन प्रक्रिया के संबंध में सभी दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। उनका कहना है कि इस धोखाधड़ी से उन्हें गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ है। इस मामले में हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच निष्पक्ष और समयबद्ध हो,ताकि किसान हित सुरक्षित रहें और दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई हो सके। पुलिस ने स्थानीय नागरिकों और बैंक ग्राहकों से अपील की है कि यदि किसी को भी इसी तरह के फर्जीवाड़े के मामलों की जानकारी हो, तो तुरंत संबंधित थाना को सूचित करें। बालेश्वर साहू के खिलाफ यह मामला राज्य में राजनीति और बैंकिंग क्षेत्र में फर्जीवाड़े की जांच को लेकर नए सवाल खड़े कर रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

दुर्ग में दर्दनाक हादसा : तालाब में डूबने से मासूम की मौत,होमवर्क न करने पर टीचर ने बुलाए थे परिजन

दुर्ग,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जिले के हथखोज गांव में एक 13 वर्षीय बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपक सतपति पिता प्रणय सतपति के रूप में हुई है। यह दर्दनाक हादसा तब हुआ जब दीपक शुक्रवार को अपने घर से स्कूल जाने के लिए निकला था, लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंचा। परिजन पूरे दिन उसे खोजते रहे,और आखिरकार शनिवार को उसका शव गांव के तालाब में मिला। जानकारी के अनुसार,आद्योगिक क्षेत्र हथखोज निवासी प्रणय सतपति का बेटा दीपक कक्षा 7वीं में पढ़ता था। 7 नवंबर को दीपक रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकला, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने गांव के आसपास उसकी तलाश शुरू की। परंतु उसका कुछ पता नहीं चला। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में एक शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुरानी भिलाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान दीपक सतपति के रूप में हुई।

डर के कारण स्कूल नहीं गया था दीपक : परिजनों और पुलिस जांच में सामने आया कि दीपक को उसके स्कूल टीचर ने होमवर्क पूरा नहीं करने पर परिजनों को स्कूल बुलाने के लिए कहा था। इस बात से दीपक डर गया और उसने यह बात अपने घर में किसी को नहीं बताई। अगले दिन वह स्कूल जाने के लिए निकला, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह स्कूल न जाकर तालाब की ओर घूमने चला गया।

दीपक को तैरना नहीं आता था...

परिजनों ने बताया कि दीपक को तैरना नहीं आता था। संभवतः वह तालाब के गहरे हिस्से में चला गया और पानी में डूब गया। जब वह घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की,लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अगले दिन तालाब से उसका शव बरामद हुआ। बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन और मोहल्लेवाले गमगीन हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

हिन्दू धर्म में 250 परिवारों ने की वापसी

रायपुर,08 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर के गुढियारी स्थित दहीहांडी मैदान में आज जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य के सानिध्य में 250 से अधिक परिवारों ने घर वापसी की। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव और सच्चिदानंद उपासने भी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने इस दौरान घर वापसी कर रहे परिवारों के पैर धोकर उनका स्वागत किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए घर वापसी कर रहे लोगों ने बताया कि उन्हें बरगलाकर धर्म परिवर्तन कराया गया। उन्हें कहा गया था कि यह बदलाव उनके स्वास्थ्य या जीवन के लिए लाभकारी होगा, लेकिन बाद में उन्हें उस धर्म में कोई संतोष नहीं मिला और उनका उस धर्म से मोहभंग हो गया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने धर्म में लौटकर अच्छा लग रहा है। स्वामी नरेंद्राचार्य ने कहा कि वे अब तक देशभर में करीब 1 लाख 53 हजार परिवारों की घर वापसी करा चुके हैं। उन्होंने धर्मांतरण को गलत बताते हुए कहा कि इसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कानून बनाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूलों में प्रभु ईसू के बारे में पढ़ाया जाता है, जिससे धर्मांतरण को बढ़ावा मिलता है।

बिलासपुर रेल हादसा....आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने कहा...लोको पायलट को दोषी ठहराना काल्पनिक

बिलासपुर,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुए ट्रेन हादसे की रेलवे की जांच पर आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने सवाल उठाया है। पदाधिकारियों ने रेलवे की जांच और उसमें केवल रनिंग स्टाफ को काल्पनिक रूप से दोषी ठहराने का आरोप लगाया है। उन्होंने बिना फैक्ट फाईंडिंग के जांच रिपोर्ट जारी करने को भी गलत बताया है। एसोसिएशन ने शुक्रवार को सीआरएस के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही इस दौरान सेफ्टी से जुड़ी कई समस्याएं गिनाई। इस दौरान सीआरएस ने करीब 40 मिनट तक वन-टू-वन चर्चा की। साथ ही उन्हें दस्तावेज उपलब्ध कराने कहा है। दरअसल, बिलासपुर रेलवे स्टेशन के आउटर में गतौरा-लालखदान के बीच हुए रेल हादसे की जांच के लिए कमेटी बनाई गई थी, जिसमें पांच सदस्य शामिल थे। कमेटी में अलग-अलग विभागों के अफसरों को शामिल किया था। कमेटी ने प्रारंभिक जांच कर रेलवे को अपनी रिपोर्ट दी है। इसमें बताया गया कि हादसे की मुख्य वजह लोको पायलट के सिग्नल ओवरशूट करना था। यानी कि लोको पायलट विद्या सागर को हादसे के लिए दोषी बताया गया। इसके साथ ही कई बिंदुओं पर रिपोर्ट दी गई है। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के जोनल महासचिव ने वीके तिवारी ने वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता को एक पत्र लिखकर आपत्ति जताई है।

नशे में भाई से अननेचुरल सेक्स किया,फिर गला घोंटा

सुसाइड दिखाने शव फंदे से लटकाया,मोबाइल में मिले पोर्न वीडियो से पकड़ाया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मारवाही जिले में शराब के नशे में बुआ के बेटे ने 10 साल के बच्चे से अननेचुरल सेक्स किया। फिर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को निर्माणाधीन मकान में साड़ी से फंदा बनाकर लटका दिया। मामले में पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी बुआ के बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मरवाही थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक,आरोपी का नाम अर्जुन (25) है। पेशे से मजदूर है और कोरबा के पसान ब्लॉक में रहता है। वह अक्सर अपने मामा के घर आता-जाता रहता था। वारदात वाले दिन भी वह शराब पीकर पहुंचा था। खाना खाने के बाद वह बच्चे के साथ घूमने निकला। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। अर्जुन ने बच्चे को पीट दिया। बच्चा बेहोश हो गया। अचेत अव्यवस्था का फायदा उठाकर आरोपी ने उससे अननेचुरल सेक्स किया था। पुलिस को आरोपी के मोबाइल से पोर्न वीडियो मिले थे। इसी आधार पर मामले का खुलासा हुआ।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, 2 नवंबर को 10 वर्षीय बच्चे का शव निर्माणाधीन मकान में फंदे से लटका हुआ मिला था। शरीर पर चोट के निशान थे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि बच्चे की मौत आत्महत्या से नहीं, बल्कि हत्या के कारण हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच तेज की। टीम ने ग्रामीणों से घर-घर जाकर पूछताछ की। पुलिस को बुआ के बेटे अर्जुन पर शक गहराया। उसे हिरासत में लिया गया। मोबाइक चेक किया गया। इस दौरान अननेचुरल सेक्स से रिलेटेड कई वीडियो मिले। जब सख्ती से पूछताछ किया गया तो उसने जुर्म स्वीकार किया।

शराब पीकर आया था आरोपी

आरोपी ने बताया कि 1 नवंबर की रात वह शराब पीकर मामा के घर आया था। खाना खाने के बाद जब सभी सो गए। बाहर मौजूद मामा के बेटे के साथ वह घूमने निकल गया। इस दौरान दोनों में विवाद हो गया और उसने बच्चे को पीट दिया। जिससे वह अचेत हो गया। अचेत अवस्था में बच्चे को देख उसकी देख नीयत बिगड़ी और फिर वारदात को अंजाम दिया। फिर गला घोंटकर मार डाला। घटना को सुसाइड दिखाने के लिए शव को निर्माणाधीन मकान में साड़ी का फंदा बनाकर लटका दिया।

अमित बघेल एफआईआर विवाद....

18 समाज एक मंच पर,सरकार को चेतावनी

रायपुर,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़िया गौरव और अस्मिता को लेकर राजधानी में दो दिनों तक चली महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश के विभिन्न समाजों और संगठनों के प्रमुख एक मंच पर नजर आए। बैठक में सर्वसम्मति से अमित बघेल के खिलाफ दर्ज एफआईआर को दुर्भावनापूर्ण और उद्देश्यपूर्ण बताया गया। सभी समाज प्रमुखों ने कहा कि अमित बघेल ने प्रशासन से केवल सवाल पूछा था, जिसे तोड़-मरोड़कर विवाद का रूप दिया गया।

बैठक में पाँच अहम प्रस्ताव पारित किए गए...

- अमित बघेल के खिलाफ दर्ज एफआईआर की निंदा की गई और इसे निरस्त करने की मांग की गई।
- एफआईआर को रद्द कराने के लिए सर्व समाज के प्रतिनिधि राष्ट्रपति और राज्यपाल से मुलाकात करेंगे।
- छत्तीसगढ़ी व्यापारियों से ही लेन-देन करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया।
- सभी समाजों ने निर्णय लिया कि राजभाषा छत्तीसगढ़ी में ही समाज के कार्य किए जाएंगे।
- छत्तीसगढ़िया पुरखों के सम्मान को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लिया गया।

शीघ्र ही राजधानी में छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान महारैली

बैठक में तय किया गया कि राजधानी रायपुर में जल्द ही सभी समाज एकजुट होकर 'छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान महारैली' निकालेंगे, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़िया परंपरा, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा करना होगा।

पुरखों के अपमान पर तेज सवाल

- बैठक में समाज प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़िया पुरखों का अपमान करने वाले मामलों में सरकारी कार्रवाई ढीली रही है, जैसे–
- पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा खंडित करने वालों की गिरफ्तारी आज तक नहीं।
- बसना में वीर नारायण सिंह की प्रतिमा को कचरा वाहन में फेंकने पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं।
- संत गुरु घासीदास के छायाचित्र को अपमानित करने वालों पर कार्यवाही नहीं।
- डॉ. खुबचंद बघेल की प्रतिमा पर कालिख पोतने वाले आज़ाद घूम रहे हैं।
- समाज प्रमुखों ने स्पष्ट कहा कि छत्तीसगढ़िया पुरखों का अपमान राजद्रोह की श्रेणी में आना चाहिए÷ और इस प्रकार के अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई आवश्यक है।

शासन के लिए स्पष्ट संदेश

बैठक में कहा गया कि प्रदेश में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए सरकार को एकतरफा कार्यवाही बंद करनी होगी और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर छत्तीसगढ़ियावाद को बढ़ावा देना होगा।

प्रेमिका ने की सगाई...ब्रिज से कूदा हाईकोर्ट का वकील

बिलासपुर में दोस्तों संग की शराब-पार्टी,नदी में मिली लाश

बिलासपुर,08 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हाईकोर्ट के वकील ने अरपा पुल से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि वकील अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता था, लेकिन उसकी सगाई कहीं और हो गई थी, जिससे टेंशन में था। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राहुल अग्रवाल (30) है, जो भाटापारा का रहने वाला था। वकील गुरुवार रात से लापता था। वकील की लाश शुक्रवार की रात अरपा नदी में मिली है, जबकि उसकी बाइक रामसेतु ब्रिज पर खड़ी मिली है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, भाटापारा निवासी राहुल अग्रवाल (30) पिता सुरेश अग्रवाल मंगला के ग्रीन गार्डन कॉलोनी में पिछले 7-8 साल से रह रहा था। गुरुवार को प्रेक्टिस करने हाईकोर्ट भी गया था। काम से लौटने के बाद शाम को नेहरू चौक पर अपने दोस्त मुकेश राठिया से मिला। इसके बाद दोनों सिरगिट्टी महिंद्रा शो रूम चले गए। जहां सर्विसिंग के लिए दी गई कार लेने के बाद दोनों ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचे। दोनों ने यहां मिलकर शराब पार्टी की। इसके बाद दोनों मुकेश के मोपका स्थित घर पहुंचे। यहां भी शराब पीने लगे। इस दौरान एक और दोस्त अभिषेक आचार्य भी आया, जो थोड़ी देर बाद चला गया।

राहुल रात 1.30 बजे निकला, लेकिन नहीं पहुंचा घर : गुरुवार रात करीब डेढ़ बजे मुकेश को राहुल घर जाने की बात कहने लगा। उसने कहा कि शुक्रवार को हाईकोर्ट में उसका केस लगा है, इसलिए जाना पड़ेगा। राहुल बाइक लेकर मंगला अपने घर के लिए निकला था, लेकिन वो घर नहीं पहुंचा। रात से परिजन उसे फोन लगा रहे थे,लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ।

राहुल के परिजनों ने सुबह भी उसे कॉल किया, लेकिन उसका फोन बंद मिला। इसके बाद उन्होंने फ्लैट में खाना बनाने वाली बाई को कॉल किया। उसने बताया कि राहुल घर नहीं आया है। रात का खाना पड़ा हुआ है। इससे परेशान होकर परिजन सिविल लाइन थाना पहुंचे और गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)